मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

www.amritdarshan.com Email : amritdarshan@yahoo.com

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

भोपाल, सोमवार 31 मार्च 2025 ■ वर्ष : 36 ■ अंक : 44 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1 रु. RNI NO. 50259/90

संक्षिप्त समाचार

महेश्वर के बाद इंदौर जाएंगे सीएम मोहन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज महेश्वर दौरे के बाद कुछ देर इंदौर में रुकेंगे। वह रात 9 बजे इंदौर एयरपोर्ट पहुंचेंगे और फिर भोपाल के लिए रवाना होंगे। इस दौरान उनकी एयरपोर्ट पर जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। सीएम दोपहर 3 :15 बजे भोपाल से हेलिकॉप्टर द्वारा महेश्वर के लिए रवाना होंगे और दोपहर 4 :15 बजे वहां पहुंचेंगे। इसके बाद वह नर्मदा रिट्रीट और देवी अहिल्या किला का भ्रमण करेंगे। शाम 5 बजे मल्हारगंज ग्राउंड में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद रात 8 बजे इंदौर के लिए रवाना होंगे। इंदौर में सीएम का ठहराव केवल 10 मिनट का होगा। इस दौरान वे जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

ट्रंप की धमकी के बाद भी ईरान मिसाइल दागने को तैयार

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर वह नए परमाणु समझौते पर सहमत नहीं होता है तो उसे भीषण बमबारी और आर्थिक दबाव सहित गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ट्रंप की इस धमकी के बाद ईरान भी मिसाइल दागने के लिए तैयार है। हालांकि मिसाइल हमले को लेकर ईरान की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने अपनी भूमिगत मिसाइल सिटी में सभी लॉन्चर लोड कर लिए हैं और हमला करने के लिए तैयार है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने देश को धमकी दी थी कि अगर वह अपने परमाणु समझौता नहीं करता है तो वह उस पर बमबारी कर देगा। इसके साथ ही उन्होंने ईरान पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की बात भी कही है। एनबीसी न्यूज से बातचीत में ट्रंप ने कहा था, अगर वे समझौता नहीं करते हैं, तो बमबारी होगी। लेकिन इस बात की भी संभावना है कि अगर वे समझौता नहीं करते हैं तो मैं उन पर सेकेंडरी टैरिफ लगा दूंगा, जैसा मैंने चार साल पहले किया था।

ओपनएआई ने घिबली-स्टाइल तस्वीरों के लिए बदले नियम

वाशिंगटन। इन दिनों सोशल मीडिया पर भर-भर कर घिबली स्टाइल की तस्वीरे देखी जा रही है। ऐसा कह सकते है कि सोशल मीडिया यूजर्स को अब इन तस्वीरों के माध्यम से अपने आप को देखना कुछ ज्यादा ही अच्छा लगने लगा है। इसी बीच ओपनएआई के चैटजीपीटी ने अपनी स्टूडियो घिबली-स्टाइल की तस्वीरों को लेकर अपनी नीति में बदलाव किया है, जिसके बाद अब यूजर्स घिबली-स्टाइल की तस्वीरें बनाने के लिए रियल वर्ल्ड की तस्वीरों का उपयोग नहीं कर सकते। इसका साफ साफ मतलब है कि अब आप ओपनएआई के चैटजीपीटी के माध्यम से कोई भी असल व्यक्ति या तस्वीर को देखकर घिबली-स्टाइल में तस्वीर नहीं बना सकता। जब भी आप अब चैटजीपीटी के माध्यम से तस्वीर बनाने की कोशिश करेंगे तो इसके लिए चैटजीपीटी इमेज जनरेटर ने एक नया संदेश दिखाना शुरू किया है, जिसमें कहा गया है कि अब वह किसी असल व्यक्ति की तस्वीर से घिबली स्टाइल की तस्वीर नहीं बना सकता। बता दें कि यह बदलाव इस कारण हुआ है कि अब उनकी नई दिशा निर्देश के तहत, असल लोगों की समानता बनाना मना किया गया है।

अंतर्मना उवाच

अंतर्मना गुरुदेव ससंघ का उत्तर प्रदेश की सीमा से देवभूमि उत्तरखंड में भव्य मंगल प्रवेश ... देवभूमि उत्तराखंड मुक्तेश्वर धाम में महावीर जयंती एवं गुरुदेव अंतर्मना प्रसन्न सागर की महाराज का दीक्षा दिवस मनाया जायेगा ...अंतर्मना ससंघ का निरंतर अष्टापद बद्रीनाथ धाम के लिए चल रहा पदविहार

जज़्बा तो रखना होगा..
खुद में, खुद को - खुद से पाने का..!

*आज प्रत्येक व्यक्ति कुछ होना चाहता है, लेकिन उसकी महत्वाकांक्षाएं उसे वहां तक पहुंचने नहीं दे रही है। **कुछ होने की दौड़ में वह भूल ही गया कि उसे पाना क्या है...!!** स्वयं के अतिरिक्त और कुछ होना असंभव है, क्योंकि जो बीज में नहीं है वह वृक्ष में कैसे हो सकता है..! लेकिन **प्रत्येक व्यक्ति वही होने की दौड़ में, दौड़े जा रहा है जो वह नहीं है।***

*व्यक्ति जो बीजत: होता है तो उसके विकास में एक अपूर्व आनंद, मन की शांति, भीतर से आर्यमौन और अंतरंग में अदृश्य शक्ति का विकास होता है। उसमें जो गति होती है उसकी पग ध्वनियां भी सुनाई नहीं पड़ती है। लेकिन **व्यक्ति जो नहीं है उसके होने का शोरगुल बहुत होता है और भीतर से होता कुछ नहीं है।** क्योंकि इस शोरगुल से संघर्ष, तनाव, अशांति, वैमनस्यता और प्रतिस्पर्धा बढ़ती जाती है। **व्यक्ति जो है उसके वही होने में, न कोई शोरगुल, न प्रतिस्पर्धा, न ईर्ष्या, न द्वेष, फिर वह होता है बस अपने आनंद और मस्ती में।***

*इसलिए **मैं कहता हूं** - कि महत्वकांक्षा के आधार पर खड़ा व्यक्ति कभी अहिंसक नहीं हो सकता, क्योंकि जहां महत्वाकांक्षा है वहीं हिंसा का भाव है। अब **यदि धर्म ने मनुष्य के मन से महत्वकांक्षा नहीं छीनी तो विनाश सुनिश्चित है...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

अमेरिका ने शहबाज शरीफ के सामने रखी शर्त, कसा शिकंजा

भारत के साथ संबंध सुधारो, नहीं तो तबाह हो जाएगा पाकिस्तान

यूएस अधिकारियों ने पाकिस्तान नेतृत्व से कहा है कि वो चीन के साथ ज्यादा करीबी न बढ़ाए

जनरल असीम मुनीर के खिलाफ लग सकता है बैन

अमेरिका ने पाकिस्तानी नेतृत्व को धमकी देते हुए कहा है कि अगर इन पांच शर्तों को अमेरिका नहीं मानता है तो वह सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के खिलाफ बैन लगा देगा। अमेरिकी कांग्रेस में प्रस्ताव भी पेश किया जा चुका है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के कथित मानवाधिकार उल्लंघन को लेकर पाकिस्तान की सरकार और सेना प्रमुख के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है।

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पाकिस्तान अमेरिका सरकार के निशाने पर आ गया है। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने एक बार फिर पाकिस्तान के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। हाल ही में पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर, शहबाज शरीफ, मरियम नवाज, आईएसआई चीफ और विदेश सचिव अचानक सऊदी अरब के दौरे पर पहुंचे थे। अमेरिका और सऊदी अरब के अधिकारियों ने पाक नेतृत्व से मुलाकात कर उनके सामने पांच महत्वपूर्ण शर्तें रखी हैं, जिनमें भारत, चीन, इजरायल, ईरान और आतंकवाद से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। अमेरिका की ओर से कहा गया है कि अगर पाकिस्तान इन मांगों को नहीं मानता है तो जनरल असीम मुनीर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा।

अमेरिका और सऊदी अरब ने भारत को लेकर भी पाकिस्तान को फटकार लगाई है। पाकिस्तान से कहा गया है कि वह कश्मीर में चल रहे आतंकवाद को तत्काल बंद करे। भारत के साथ रिश्ते सामान्य करे। इतना ही नहीं अमेरिका ने पाकिस्तान पर दबाव बनाया है कि वो कश्मीर का मुद्दा भी सुलझाए और भारत का आधिपत्य स्वीकार करे। एक पाकिस्तानी पत्रकार ने अपनी रिपोर्ट में खुलासा करते हुए बताया कि अमेरिका चाहता है कि पाकिस्तान भी इजरायल को मान्यता दे और अगर गाजा में शांतिरक्षक सेना तैनात होती है तो वहां पाकिस्तान भी अपनी सेना भेजे। सऊदी अरब अगर इजरायल के जुड़ी कोई डील करता है तो पाकिस्तानी सेना गाजा में युद्ध बंद करने में अपनी भूमिका निभाए। दरअसल पाकिस्तान की सेना यमन में हूतियों के खिलाफ सैन्य अभियान में सऊदी अरब की सेना की मदद कर चुकी है।

चीन को लेकर पाकिस्तान पर दबाव

पाकिस्तान की चीन के साथ बढ़ रही करीबी भी डोनाल्ड ट्रंप को खटक रही है। इसीलिए पाकिस्तान के नेतृत्व से अमेरिका ने कहा है कि वो चीन के साथ ज्यादा करीबी न बढ़ाए। दरअसल पाकिस्तान के बलूचिस्तान में सीपेक के निर्माणकार्य में जुटे चीनी इंजीनियरों और मजदूरों पर बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने हमला कर दिया था। जिसके बाद चीन ने पाकिस्तानी राजदूत को फटकार लगाई थी। इतना ही नहीं अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए चीन ने पाकिस्तान में अपनी सिक्योरिटी फोर्स भी तैनात कर दी है।

ईरान को लेकर मिली पाकिस्तान को नसीहत

अमेरिका और सऊदी अरब ने ईरान को लेकर भी पाकिस्तान को नसीहत दी है। दरअसल पाकिस्तान और ईरान के रिश्ते कभी खट्टे तो कभी मीठे रहते हैं। अमेरिका ने पाक नेतृत्व से कहा है कि अगर कभी ईरान में सत्ता परिवर्तन के लिए अभियान शुरू किया जाता है तो इस्लामाबाद न्यूट्रल नहीं रहेगा।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को दी ईद की बधाई

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत तमाम दिग्गज नेताओं ने देशवासियों को ईद का बधाई दी। सभी ने सोमवार को लोगों को ईद-उल-फितर की शुभकामनाएं दीं और कामना की कि यह त्योहार समाज में आशा, सद्भाव और दयालुता की भावना को बढ़ाए। ईद-उल-फितर रमजान के पाक महीने के समापन का प्रतीक है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर लिखा, ईद-उल-फितर के मुबारक मौके पर सभी देशवासियों, विशेष रूप से मुस्लिम भाइयों और बहनों को बधाई। यह त्योहार भाईचारे की भावना को मजबूत बनाता है तथा करुणा-भाव और दान की प्रवृत्ति को अपनाने का संदेश देता है। मैं कामना करती हूं कि यह पर्व सभी के जीवन में शांति, समृद्धि और खुशियां लेकर आए तथा सबके दिलों में नेकी के रास्ते पर आगे बढ़ने के जज्बे को मजबूत बनाए।

राजनाथ सिंह समेत इन दिग्गजों ने भी दीं शुभकामनाएं

समाज में आशा, सद्भाव और दयालुता की भावना को बढ़ाए

माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा, ईद-उल-फितर की बधाई। यह त्योहार हमारे समाज में आशा, सद्भाव और दयालुता की भावना को बढ़ाए। आपके सभी प्रयासों में खुशी और सफलता मिले। ईद मुबारक!

सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ईद-उल-फितर की हार्दिक शुभकामनाएं। यह त्योहार सभी के लिए सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए। आशा है कि यह दिन पूरे समाज में सद्भाव और भाईचारे के बंधन को और मजबूत करेगा।

जंगल में गए थे लकड़ी लेने

छिंदवाड़ा में मधुमक्खियों का हमला 10 लोग घायल, 2 की हालत गंभीर

छिंदवाड़ा ■ अमृत दर्शन

ढोला गांव के जंगल में रविवार को अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने ग्रामीणों पर हमला कर दिया। हमले में कुल दस लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को उपचार के लिए परासिया ले जाया गया, जहां से दो लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इस घटना के बाद इलाके के ग्रामीणों में डर का माहौल है। लोग जंगल में जाने से कतरा रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मधुमक्खियां आमतौर पर तभी हमला करती हैं जब उन्हें खतरा महसूस होता है। जंगल में किसी पेड़ को काटने या मधुमक्खियों के छत्ते के आसपास हलचल करने पर वे आक्रामक हो सकती हैं। जानकारी के अनुसार, ढोला गांव में स्थित एक मंदिर में रविवार को हवन का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के लिए कुछ ग्रामीण लकड़ियां एकत्रित करने के लिए जंगल गए थे। जैसे ही वे जंगल में पहुंचे और लकड़ी काटने लगे। तभी अचानक पास के पेड़ों पर मौजूद मधुमक्खियों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया।

सोनिया गांधी ने नई शिक्षा नीति के मुद्दे पर केंद्र को घेरा

बोलीं- मोदी सरकार ने की शिक्षा व्यवस्था की हत्या

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पूर्व कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी ने बीजेपी की लीडरशिप वाली केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मुद्दे पर घेरा है। सोनिया ने आरोप लगाया कि सरकार जरूरी चर्चा के बगैर रानजीतिक उद्देश्यों को प्राथमिकता देते हुए ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 थोप रही है। दरअसल एक अखबार में प्रकाशित एक लेख में सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि एनईपी 2020 सरकार के लिए केंद्रीकरण, व्यावसायीकरण और सांप्रदायिकता के '3ष्ट' वाले अपने मूल एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए एक साधन है।

तमिलनाडु सरकार और केंद्र के बीच एनईपी को लेकर टकराव जारी है और स्टालिन सरकार राज्य पर हिंदी भाषा को थोपने का आरोप लगा रही है। इसी परिपेक्ष्य में सोनिया गांधी ने केंद्र सरकार की आलोचना की है, हालांकि उन्होंने इस मुद्दे पर अपन लेख में हिंदी वाले विवाद को नहीं छुआ है। सीएम स्टालिन भी इस नीति का विरोध किया है।

महाकाल के दर पहुंची सिंगर श्रेया घोषाल

भस्म आरती का हर पल जैसे जीवन बदलने की तरह था

उज्जैन ■ अमृत दर्शन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज सुबह प्रसिद्ध गायिका श्रेया घोषाल पहुंची। वे यहां दो घंटे तक मंदिर में रहीं और भस्म आरती में शामिल हुई। बाबा के दर्शन और पूजा कर उन्होंने बाबा का आशीर्वाद लिया। भस्म आरती में शामिल होने और पूजा करने के बाद उन्होंने कहा कि बाबा महाकाल के दर्शन करने का अनुभव वे अपने शब्दों से बयां नहीं कर सकती हैं।

मध्य प्रदेश के खास विक्रमोत्सव कार्यक्रम में शनिवार को प्रस्तुति देने आई सिंगर श्रेया पारंपरिक साड़ी पहनकर तड़के सुबह महाकाल मंदिर पहुंची। यहां उन्होंने करीब दो घंटे तक नंदी हॉल में बैठकर भस्म आरती के दर्शन कर बाबा शिव का जाप किया। इसके बाद चांदी द्वार से बाबा की पूजा और खास अभिषेक की। श्रेया से पूजन अर्चन पंडित आकाश पुजारी ने करवाया। सिंगर श्रेया ने महाकाल के दर्शन के बाद कहा कि पहली बार उज्जैन आई और बाबा महाकाल की भस्म आरती के दर्शन किए। बाबा का आशीर्वाद लेने और दर्शन के बाद लगा कि मुझे दर्शन का मौका मिलना ही था, इसलिए उज्जैन आने का बुलावा आया। महाकाल के साथ यह अनुभव अविस्मरणीय है, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। इतनी सुंदर आरती मैंने पहले कभी नहीं देखी। जिस तरह से भगवान को सजाया गया था, उसे देखकर मेरी आंखों में आंसू और खुशी दोनों थे। मैं दोबारा महाकाल के दर्शन के लिए आऊंगी।

अवैध रेत खनन पर बेटे का नाम जुड़ने पर कृषि मंत्री बोले

जांच करवा लीजिए, मेरा बेटा अवैध रेत में दोषी निकला तो राजनीति से सन्यास ले लूंगा

मुरैना ■ अमृत दर्शन

अवैध रेत खनन मामले में लगातार आरोप-प्रत्यारोप झेल रहे मध्यप्रदेश के कृषि मंत्री ऐंदल सिंह कंसाना ने मीडिया के सामने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि सारे आरोप निराधार हैं। अवैध रेत के जिस डंपर को मेरे बेटे बंकू का बताया गया, मैं कहता हूं कि, चाहे किसी भी एजेंसी से जांच करा लीजिए, अगर मेरा लड़का दोषी निकला तो मैं तत्काल राजनीति से सन्यास ले लूंगा। यह मेरे खिलाफ षडयंत्र है, इसके खिलाफ बहुत बड़ी गैंग है। मैं इसकी उच्च स्तरीय जांच भी कराऊंगा और उचित प्लेटफार्म पर इसकी शिकायत भी करूंगा। कृषि मंत्री ने कहा, कि यह मेरी पार्टी और मुझे बदनाम करने की साजिश है। जिन-जिन लोगों ने यह आरोप लगवाए हैं, उनके खिलाफ मानहानि का केस करूंगा। अवैध रेत से भरा जो ट्रक पकड़ा गया है, वह जाफराबाद के किसी जंडेल सिंह कुशवाह का हैं। कृषि मंत्री ने कहा, कि इनमें कुछ लोगों के नाम मेरे सामने आए हैं। मेरे खिलाफ झूठी शिकायतें करना, मेरे परिवार पर अनर्गल आरोप लगाए जाते हैं। ऐंदल सिंह कंसाना ने कहा, कि कहीं किसी चौराहे पर झगड़ा हो गया तो मुझ पर आरोप लगते हैं। कहीं एक्सीडेंट हो गया तो ऐंदल सिंह ने करवा दिया, मंत्री का इस्तीफा लो, कहीं किसी के पेट में दर्द हो गया तो मंत्री जादू-टोना किया है, उनका इस्तीफा लो। ऐंदल सिंह ने कहा, कि मैंने 30 साल के कार्यकाल में ऐसे लोगों की चिंता नहीं की, अब क्या करूंगा। मैं ऐसे लोगों के मंसूबे कामयाब नहीं होने दूंगा।

यूपी में सड़क पर नमाज पढ़ने पर रोक होने की वजह से विवाद

ईद की नमाज को लेकर बवाल! पुलिस से झड़प, फायरिंग में कई घायल

नई दिल्ली ■ एजेंसी

उत्तर प्रदेश में ईद-उल-फितर 2025 के मौके पर लोगों ने नमाज अदा की। इस दौरान सड़क पर नमाज पढ़ने पर रोक होने की वजह से कई जगहों पर पुलिस से नोकझोंक और झपड़ हुई। मेरठ और मुरादाबाद में ईदगाह में नमाज अदा करने को लेकर पुलिस और अकीकतमंद आमने-सामने आ गए। सहारनपुर में ईद की नमाज के बाद लोगों ने फिलिस्तीन का झंडा लहराया। वहीं, कुछ नमाजियों ने हाथ पर काली पट्टी भी बांधी। मेरठ जिले में सुबह ईद की नमाज के बाद दो मुस्लिम पक्षों में हिंसक झड़प हो गई। दोनों पक्षों में कई राउंड फायरिंग भी हुई है। झड़प में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। यह घटना कस्बा सिवालखास की है।

लखनऊ में ऐशबाग ईदगाह पहुंचे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि कभी इतनी बैरिकेडिंग नहीं देखी। पुलिस ने मुझे यहां आने से रोका। बड़ी मुश्किल से मैं आ सका। किसी अधिकारी के पास कोई जवाब नहीं था। यह तानाशाही है कि दूसरे धर्म के लोगों के त्यौहार में शामिल न हो सका। अखिलेश ने कहा, आज सबसे बड़ा खतरा देश के संविधान को है। हमारा देश बहुत बड़ा देश है। सदियों से हम लोग मिलकर रहते आ रहे हैं। बीजेपी के लोग सांड और गाय की गिनती नहीं बता पा रहे। बीजेपी लोगों को मुद्दो से भटकाने का कार्य कर रही है।

मुरादाबाद और सहारनपुर में तनातनी

मुरादाबाद में ईदगाह हुआ फुल, हंगामा

मुरादाबाद में ईदगाह में नमाज अदा करने जा रहे नमाजियों को रोकने पर हंगामा हो गया। ईदगाह स्थल पर जगह नहीं होने पर पुलिस ने कुछ नमाजियों को रोका तो उन्होंने हंगामा करना शुरू कर दिया। बचे हुए नमाजियों की दोबारा से नमाज अदा करवाई गई। दरअसल, गलशहीद क्षेत्र में स्थित ईदगाह में एक बार में करीब 30 हजार लोग नमाज अदा कर सकते हैं। सोमवार को सुबह ईदगाह की नमाज अदा करने के लिए भारी संख्या में लोग पहुंच गए।

मेरठ: कई स्थानों पर पुलिस से झड़प

मेरठ में ईद की नमाज को लेकर ईदगाह पर जाने के लिए नमाजियों के साथ पुलिस की कई स्थानों पर झड़प हुई। जगह भर जाने पर पुलिस ने ईदगाह के सभी रास्तों पर दंगा नियंत्रण वाहन लगाकर बंद कर दिए थे। गलियों के रास्ते से ईदगाह पर जाने वाले लोगों को रोकने पर पुलिस के साथ कई बार झड़प हुई।

यूपी में 582 जजों का ट्रांसफर

ज्ञानवापी केस में फैसला सुनाने वाले जज का भी हुआ तबादला

लखनऊ। यूपी में इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर बड़े पैमाने पर जजों के तबादले हुए हैं। जिन जजों का ट्रांसफर हुआ है उनमें ज्ञानवापी मामले में फैसला सुनाने वाले जज का नाम भी शामिल है। हाईकोर्ट ने निचली अदालतों के कुल 582 जजों का ट्रांसफर किया है। इनमें 236 अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, 207 सिविल जज सीनियर डिवीजन और 139 सिविल जज जूनियर डिवीजन शामिल हैं। वाराणसी के चर्चित ज्ञानवापी मामले में फैसला सुनाने वाले चर्चित जज रवि कुमार दिवाकर का भी ट्रांसफर हुआ है। उनका बरेली से चित्रकूट में ट्रांसफर किया गया है। रवि कुमार दिवाकर ने वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद से सर्वे का आदेश दिया था।

संक्षिप्त समाचार

हिंदू एकता और सशक्तिकरण के लिए संघ चलाएगा बड़ा अभियान

कोलकाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने वैभवशाली भारत के निर्माण के लक्ष्य को लेकर हिंदू समुदाय की एकजुटता और सशक्तिकरण के लिए देशव्यापी अभियान चलाने का निर्णय लिया है। यह जानकारी संघ के दक्षिण बंगाल सह प्रचार प्रमुख जिष्णु बसु ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में दी। इस मौके पर संघ के दक्षिण बंगाल के संघचालक जयंत पाल भी मौजूद थे। बसु ने बताया कि बीते 22 और 23 मार्च को बेंगलुरु में हुई अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में लगभग 1500 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस बैठक में विशेष रूप से बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे हमलों और उन्हें अस्तित्वहीन करने के प्रयासों पर रोक लगाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि संघ इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों के समक्ष उठाएगा, ताकि बांग्लादेश के हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। संघ ने यह भी निर्णय लिया है कि भारतीय परिवार व्यवस्था को मजबूत करने के लिए देशभर में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जिसमें पश्चिम बंगाल के ग्रामीण इलाकों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जात-पात मुक्त समाज और सामाजिक समरसता के लिए संघ लगातार काम कर रहा है और इस दिशा में और अधिक प्रयास किए जाएंगे।

अब मोदी सरकार की वैक्सीन कूटनीति के फैन हुए शशि थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर पिछले कई दिनों से मोदी सरकार की नीतियों की खूब तारीफ कर रहे हैं। पहले थरूर ने रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर केंद्र सरकार की विदेश नीति की तारीफ की थी, अब कांग्रेस सांसद ने वैक्सीन कूटनीति की प्रशंसा की है। कोविड महामारी के दौरान केंद्र सरकार की वैक्सीन डिप्लोमेसी की तारीफ करते हुए थरूर ने इसे अंतरराष्ट्रीय नेतृत्व का एक शक्तिशाली उदाहरण बताया। एक अंग्रेजी अखबार में लिखे लेख में थरूर ने कहा, कोविड महामारी के दौरान भारत की वैक्सीन कूटनीति उस समय की भयावहता के बीच जिम्मेदारी और एकजुटता में निहित अंतरराष्ट्रीय नेतृत्व के एक शक्तिशाली उदाहरण के रूप में सामने आई। 100 से अधिक देशों को भारत में निर्मित टीके वितरित करके भारत ने सबसे अधिक जरूरत पड़ने पर मदद का हाथ बढ़ाने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। ये लेख केरल नेतृत्व को लेकर कांग्रेस पार्टी और थरूर के बीच दरार की खबरों के बीच आया है। थरूर का लेख कोविड के दौरान एक सॉफ्ट पावर के रूप में भारत की ताकत के इर्द-गिर्द केंद्रित था, जो प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षण के क्षेत्र में भारत की क्षमता को दिखाता है। थरूर ने अपने लेख में लिखा कि कोविड के दौरान हमारे प्रयास केवल वैक्सीन बनाने तक सीमित नहीं थे, बल्कि नेपाल, मालदीव और कुवैत में भारतीय सैन्य डॉक्टरों को भेजने और दक्षिण एशियाई देशों में स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित करने तक फैले हुए थे।

अमेरिकी वैज्ञानिक ने बेहद हल्की गैलेक्सी की खोज की

वाशिंगटन। अमेरिकी खगोलविदों ने एक बेहद हल्की गैलेक्सी की खोज की है। यह गैलेक्सी हमारी पड़ोसी एंड्रोमेडा गैलेक्सी के चारों ओर घूम रही है। खगोलविदों ने इस गैलेक्सी को एंड्रोमेडा एक्सएक्सएक्सवी नाम दिया गया है। यह अब तक देखी गई सबसे फीकी और सबसे छोटी गैलेक्सी है। वैज्ञानिकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी छोटी गैलेक्सी अब तक बची कैसे रही, क्योंकि अब तक माना जाता था कि इतनी हल्की आकाशगंगाएं ब्रह्मांड की शुरुआती गर्म और घनी परिस्थितियों में टिक नहीं पातीं। लेकिन एंड्रोमेडा एक्सएक्सएक्सवी इस धारणा को गलत साबित कर रही है। मिशिगन यूनिवर्सिटी के खगोलविद एरिक बेल का कहना है कि यह गैलेक्सी पूरी तरह से सक्रिय है, लेकिन यह हमारी मिल्की वे की तुलना में दस लाख गुना छोटी है। इसे इस तरह समझा जा सकता है जैसे कोई परफेक्ट इंसान जो सिर्फ एक चावल के दाने के आकार का हो।

नेपाल में दो बार महसूस किए गए भूकंप के झटके

काठमांडू। नेपाल के उत्तर-पश्चिमी हुमला जिले में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि, किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। भूकंप के तेज झटकों से दहशत में आए लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.5 मापी गई। भूकंप का केंद्र काठमांडू से 425 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित हुमला जिले के कालिका इलाके में था। भूकंप के कारण पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई।

दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर एक महिला नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा ■ एजेंसी

दंतेवाड़ा और बीजापुर बॉर्डर इलाके में पुलिस के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक महिला नक्सली को मार गिराया है। जिसका शव बरामद किया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के छत्तीसगढ़ प्रवास से पहले आज 31 मार्च को दंतेवाड़ा बीजापुर सीमा पर पुलिस नक्सली मुठभेड़ हुई है। इसमें एक महिला नक्सली ढेर हुई है। दंतेवाड़ा एसपी गौरव रॉय ने मामले की पुष्टी की है। महिला नक्सली के शव के साथ इंसास राइफल भी बरामद किया गया है। फिलहाल इलाके में सर्चिंग जारी है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दंतेवाड़ा दौरे से पहले नक्सलियों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, जिला दंतेवाड़ा और बीजापुर के सरहदी क्षेत्रान्तर्गत माओवादी विरोधी अभियान पर सुरक्षा बल की टीम निकली थी। अभियान के दौरान आज सुबह नौ बजे से माओवादियों और सुरक्षाबलों के बीच लगातार फायरिंग जारी है। मुठभेड़ स्थल से अब तक एक इंसास राइफल हथियार सहित एक महिला नक्सली का शव, गोला बारूद के साथ अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद हुई हैं। फिलहाल, घटना स्थल पर सर्चिंग जारी है। बीजापुर जिले में रविवार को 50 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। जिनमें से 14 पर कुल 68 लाख रुपये का इनाम था। एक अधिकारी ने बताया था कि उन्होंने राज्य पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने हथियार डाले।

उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले 50 लोगों में से छह पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम था, जिनमें से तीन पर पांच-पांच लाख रुपये का इनाम था। पांच पर एक-एक लाख रुपये का इनाम था। जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), बस्तर फाइटर्स, स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), सीआरपीएफ और इसकी विशिष्ट इकाई कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन) ने उनके आत्मसमर्पण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। एसपी ने जानकारी देते हुए कहा था कि आंदोलन छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने वाले नक्सलियों के लिए सरकार की नीति के अनुसार उनका पुनर्वास किया जाएगा। यह आत्मसमर्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज्य के दौरे से कुछ घंटे पहले हुआ। वह 33,700 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखन वाले हैं। संयोग से सुरक्षा बलों ने बीते शनिवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र के सुकमा और बीजापुर जिलों में दोहरे मुठभेड़ों में 11 महिलाओं सहित 18 नक्सलियों को मार गिराया था, जो 31 मार्च, 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के मिशन में एक बड़ी सफलता है। इस साल अब तक राज्य में अलग-अलग मुठभेड़ों में 134 नक्सलियों को मार गिराया गया है। उनमें से 118 बस्तर संभाग में समाप्त हुए। पुलिस के अनुसार, 2024 में सात जिलों वाले बस्तर क्षेत्र में कुल 792 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था।

क्लियर डील पर ट्रम्प की ईरान को धमकी कहा- समझौता करें, वरना बमबारी होगी

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को धमकी दी है कि अगर वह अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम पर किसी समझौते पर नहीं पहुंचता तो अमेरिका उस पर बमबारी कर सकता है। ट्रम्प ने ईरान पर सेकेंडरी टैरिफ लगाने की भी धमकी दी।

ट्रम्प ने आगे कहा- उनके (ईरान) पास एक मौका है, अगर वे ऐसा नहीं करते तो मैं उनपर 4 साल पहले की तरह सेकेंडरी टैरिफ लगाऊंगा। न्यूक्लियर प्रोग्राम पर अमेरिकी और ईरानी अधिकारी बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया।

तेहरान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की मिसाइलें सभी अंडरग्राउंड मिसाइल सिटी में लॉन्चरों पर लोड कर दी गई हैं और लॉन्च के लिए तैयार हैं।

तेहरान टाइम्स ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, पैंडोरा बॉक्स खोलने से अमेरिकी सरकार और उसके सहयोगियों को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। आसान शब्दों में पैंडोरा बॉक्स खोलना का मतलब

है किसी ऐसी चीज को शुरू करना, जिसके बाद बहुत सारी परेशानियां पैदा हो जाएं, और उन्हें रोकना मुश्किल हो। इससे पहले ट्रम्प ने न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर ईरान को सीधी बातचीत करने के लिए एक चिट्ठी लिखी थी, लेकिन ईरानी राष्ट्रपति ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने रविवार को कहा कि वह अमेरिका के साथ सीधे तौर पर कोई समझौता नहीं करेगा।

पजशकियान ने कहा कि दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत की संभावना को हमने खारिज कर दिया गया है, लेकिन साफ नहीं है कि ट्रम्प अप्रत्यक्ष बातचीत करने के लिए राजी होंगे या नहीं। 2018 में जब ट्रम्प ने ईरान के परमाणु समझौते से अमेरिका को बाहर निकाला था, तब से अब तक की गई अप्रत्यक्ष बातचीत असफल रही हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प ने 12 मार्च के श्व के एक दूत के जरिए ईरान को चिट्ठी लिखी थी। इसमें ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामेनेई को न्यूक्लियर प्रोग्राम पर नए सिरे से बातचीत करने के लिए न्योता दिया गया था।

इसमें यह भी धमकी दी गई थी कि अगर ईरान वार्ता में शामिल नहीं होता है तो अमेरिका तेहरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए कुछ करेगा।

इससे पहले ईरान ने 26 मार्च को अपनी तीसरी अंडरग्राउंड मिसाइल सिटी का वीडियो जारी किया था। 85 सेकेंड के इस वीडियो में सुरंगों के भीतर मिसाइलें और आधुनिक हथियार दिखाई दे हैं। यह वीडियो ऐसे समय जारी किया गया है, जब डोनाल्ड ट्रम्प की ईरान को परमाणु प्रोग्राम खत्म करने की चेतावनी की डेडलाइन करीब है।

66 साल की उम्र में प्रेग्नेंट हुई महिला

नई दिल्ली। जर्मनी की एक महिला ने 66 साल की उम्र में बच्चे को जन्म दिया है। इतिहासकार और संग्रहालय निदेशक एलेक्जेंड्रा हिल्डेब्रांट ने अपने 10वें बच्चे को जन्म दिया है। हैरानी की बात यह है कि महिला ने अपने पहले बच्चे के जन्म के 45 साल बाद अपने दसवें बच्चे को जन्म दिया वो भी नैचुरल तरीके से गर्भधारण कर।

बर्लिन में चेकपॉइंट चार्ली में वॉल म्यूजियम की मालिक और संचालक हिल्डेब्रांट ने 19 मार्च को बर्लिन के चैरिटे अस्पताल में अपने बेटे फिलिप को जन्म दिया। सिजेरियन सेक्शन द्वारा जन्मा बच्चा सात पाउंड और 13 औंस वजन का था। फॉक्स न्यूज के अनुसार, चिकित्सा कारणों से जन्म के तुरंत बाद उसे इनक्यूबेटर में रखा गया था।

हिल्डेब्रांट ने टुडे को बताया, एक बड़ा परिवार न केवल अद्भुत होता है बल्कि सबसे बढ़कर यह बच्चों की सही परवरिश के लिए महत्वपूर्ण है।

पिता ने 5 महीने की जुड़वां बेटियों को पटक-पटककर मार डाला

कहा- मैं दुनिया का सबसे बड़ा कंस हूं

सीकर ■ एजेंसी

राजस्थान के सीकर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पिता ने 5 महीने की जुड़वां बेटियों की पटक-पटककर हत्या कर दी। पुलिस ने इस शख्स का जुलूस भी निकाला और इस दौरान आरोपी ने कहा कि मैं दुनिया का सबसे बड़ा कंस हूं, मुझे फांसी की सजा मिलनी चाहिए। मैंने बहुत गलत काम किया है और मैं बेकार आदमी हूं। मैं दुनिया में किसी को मुंह नहीं दिखा सकता।

सीकर जिले के नीमकाथाना क्षेत्र में अपनी पांच माह की जुड़वां बेटियों की पटक-पटककर हत्या करने वाले कलयुगी पिता अशोक का पुलिस ने न्यायालय में पेशी के दौरान जिला अस्पताल से खेतड़ी मोड़ तक जुलूस निकाला। जुलूस के दौरान आरोपी अशोक ने अपने जुर्म को भी कबूल किया। आरोपी ने यह भी कहा कि उसका समय खराब चल रहा था, इसलिए उसने यह अपराध कर दिया।

घटना 27 मार्च को हुई, जब आरोपी अशोक ने अपनी 5 महीने की जुड़वा बेटियों को फर्श पर पटककर मौत के घाट उतार दिया। इस घटना का कारण बेटे की लालसा बताया जा रहा है। अशोक अपनी बेटियों के जन्म से असंतुष्ट था और इस बात को लेकर तनाव में था।

गुरुवार को, जब आरोपी की पत्नी अनीता, दोनों बच्चियों को टीका लगवाकर घर लौटी, तो सास बनारसी देवी ने उसे ताने देने शुरू कर दिए। उन्होंने कहा, बेटियां दी हैं, मेरे बेटे का वंश आगे कैसे बढ़ेगा? इस पर अनीता ने पलटकर जवाब दे दिया, जिससे नाराज होकर अशोक ने अपनी मां के उकसावे पर अनीता की पिटाई कर दी।

मोनालिसा को फिल्म का ऑफर देने वाले डायरेक्टर सनोज मिश्रा अरेस्ट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

महाकुंभ मेले में वायरल गर्ल मोनालिसा को फिल्म का ऑफर देने वाले डायरेक्टर सनोज मिश्रा को गिरफ्तार किया गया है। रेप के मामले में गिरफ्तारी हुई है। दिल्ली हाई कोर्ट से बेल खारिज होने के बाद दिल्ली के नबी करीम थाना पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया है। आरोप है कि सनोज मिश्रा ने एक छोटे कस्बे से आने वाली, हीरोइन बनने की तमन्ना रखने वाली एक लड़की के साथ कई बार रेप किया।

पीड़िता के मुताबिक, साल 2020 में टिकटॉक और इंस्टाग्राम के जरिए उसकी मुलाकात सनोज मिश्रा से हुई थी। उस समय वह झांसी में रहती थी। कुछ समय तक दोनों के बीच बातचीत होती रही और फिर डायरेक्टर ने 17 जून 2021 को उसे फोन कर बताया कि वो झांसी रेलवे स्टेशन पहुंच चुका है। जब पीड़िता ने सामाजिक दबाव का हवाला देते हुए मिलने से इनकार कर दिया, तो आरोपी सनोज मिश्रा ने

आत्महत्या की धमकी दी। इसके बाद डर के मारे पीड़िता उससे मिलने चली गई। अगले दिन 18 जून 2021 को आरोपी ने फिर फोन किया और आत्महत्या की धमकी देकर उसे रेलवे स्टेशन बुलाया।

आरोप है कि वहां से आरोपी उसे एक रिसॉर्ट में ले गया और नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ रेप किया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो बना लिए और धमकी दी कि अगर उसने विरोध किया, तो वो इन्हें सार्वजनिक कर देगा। इसके बाद उसने शादी का झांसा देकर कई बार अलग-अलग जगहों पर बुलाकर शारीरिक संबंध बनाए। साथ ही, उसे फिल्मों में काम दिलाने का लालच भी दिया। बता दें कि इससे पहले खबर आ रही थी कि महाकुंभ में मनके बेचते हुए सोशल मीडिया की क्वीन बनी मोनालिसा को लेकर फिल्म बनने जा रही है।

स्वयंसेवक अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए काम करते हैं, नागपुर में बोले मोहन भागवत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी आज नागपुर के दौरे पर पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने आरएसएस के हेडक्वार्टर स्मृति भवन का दौरा किया और आरएसएस के संस्थापकों को श्रद्धांजलि। इस दौरान उनके साथ मोहन भागवत भी दिखे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने इस दौरान कहा, सामर्थ्य के हिसाब से समाज में योगदान देना जरूरी है। सेवा का कम दया भाव से नहीं प्रेम भाव से करना चाहिए। स्वयंसेवक अपने लिए नहीं बल्कि दूसरों के लिए काम करते हैं। इस दौरान मोहन भागवत ने कहा, संघ विचार की प्रेरणा है और उसकी प्रेरणा स्वार्थ्य की प्रेरणा नहीं है।

मोहन भागवत ने आगे कहा कि ये समाज मेरा है। स्वयंसेवक हमेशा

दूसरों के लिए काम करते हैं ना कि अपने लिए। समाज के लिए तन-मन-धन से काम करना है। हमें जीवन में सेवा और परोपकार करने चाहिए। स्वयंसेवकों के समाज के लिए डेढ़ लाख से ज्यादा काम चलते हैं। यही प्रेरणा है, जिससे स्वयंसेवकों को हमेशा कष्ट सहने की शक्ति मिलती है। इसके बदले में स्वयंसेवक कुछ नहीं चाहते। स्वयंसेवकों के जीवन का ध्येय ही सेवा है। सेवा के कार्य दयाभाव से नहीं बल्कि प्रेम भाव से चलते हैं। संघ का काम समाज के प्रति प्रेम और दूसरे समाज में सबको दृष्टि देना है। इस दौरान मोहन भागवत ने आगे कहा कि हमारी परंपरा में है आत्मसाधना और लोकांत में परोपकार। ये हमारी परंपरा का सूत्र है। संघ के संदर्भ में स्वयंसेवक एक घंटा संघ की शाखा में स्वयं के विकास के लिए देता है और फिर बचे हुए 23 घंटे समाज की भलाई के लिए उपयोग करता है।

बता दें कि पीएम मोदी 30 मार्च को नागपुर के दौरे पर हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने एक सभा को संबोधित करते हुए संघ की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि इस साल संघ के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं। संघ अब 100 साल का वटवृक्ष बन चुका है।

जम्मू कश्मीर में फर्राटा भरने को तैयार है पहली वंदे भारत ट्रेन

इस दिन पीएम मोदी खुद दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

जम्मू कश्मीर की जनता के लिए खुशखबरी है, जल्द ही केंद्रशासित प्रदेश के लिए पहली वंदे भारत ट्रेन चलने वाली है, यह ट्रेन 19 अप्रैल से चलेगी, जिसे खुद पीएम मोदी हरी झंडी दिखाएंगे और इसी के साथ 272 किलोमीटर लंबी उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल संपर्क परियोजना पूरी हो जाएगी। जम्मू-कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू में कटरा से संचालित होगी क्योंकि जम्मू रेलवे स्टेशन में मरम्मत एवं नवीनीकरण का काम किया जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि रेल लिंक प्रोजेक्ट पिछले माह ही पूरी हो गई थी। उन्होंने आगे बताया कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने जनवरी में कटरा और कश्मीर के बीच ट्रेन सेवा को मंजूरी दी थी। इस ट्रेन के चलने से जम्मू और श्रीनगर के बीच यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने जम्मू में मीडिया से कहा, च्पीएम मोदी 19 अप्रैल को उधमपुर पहुंचेंगे, वह दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल

उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे कटरा से चलने वाली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। जानकारी दे दें कि अभी घाटी में केवल संगलदान एवं बारामूला के बीच और कटरा से देश भर के गंतव्यों के लिए ट्रेन सेवाएं संचालित होती हैं।

अधिकारियों ने कहा कि कश्मीर को रेल मार्ग से जोड़ने की महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट साल 1997 में शुरू हुई थी लेकिन जियोलॉजिक, जियोग्राफिकल और मौसम के कारण इसे पूरा करने में लेट हुआ। इस प्रोजेक्ट में कुल 119 किलोमीटर की 38 सुरंग शामिल हैं जिनमें सबसे लंबी सुरंग जी 49 है जो 12.75 किलोमीटर लंबी है।

यह देश की सबसे लंबी ट्रांसपोर्टेशन टनल भी है। इस प्रोजेक्ट में 927 पुल भी शामिल हैं जिनकी कुल लंबाई 13 किलोमीटर है। इनमें फेमल चिनाब पुल भी शामिल है, जिसकी कुल लंबाई 1,315 मीटर है।

इसकी मेहराब 467 मीटर है और यह नदी तल से 359 मीटर ऊंचा है। एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा होने के कारण यह दुनिया का सबसे ऊंचा मेहराब वाला रेलवे पुल (आर्क ब्रिज) होगा।

नवरात्रि के पहले दिन दरभंगा में बवाल

दुर्गा मंदिर से लौट रहे श्रद्धालुओं पर छत से फेंके पत्थर

बिहार ■ एजेंसी

बिहार के दरभंगा जिले में दुर्गा मंदिर से लौट रहे श्रद्धालुओं पर मुस्लिम समुदाय द्वारा पथराव करने के बाद बवाल हो गया। जिले के कुशेश्वरस्थान प्रखंड के केवटगामा पंचायत के पछियारी गांव में दुर्गा मंदिर में कलश स्थापना कर श्रद्धालु घर लौट रहे थे। इस दौरान अचानक एक घर की छत से पथराव होने लगा। इसके बाद वहां भगदड़ जैसे हालात हो गए।

इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है जिसमें एक घर की छत से कई लोग पत्थर फेंकते दिख रहे हैं। महिला श्रद्धालुओं के बीच गिरे पत्थरों से अफरा-तफरी मच गई। लोग इधर-उधर भागकर जान बचाने लगे। गांव के लोगों ने देखा कि एक घर की छत पर जमा हुए कुछ लोग पथराव कर रहे थे। घटना की

सूचना मिलते ही कई थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। मोहम्मद अलाउद्दीन की छत से पत्थर फेंकने का आरोप लग रहे हैं। पुलिस ने बताया कि फिलहाल स्थिति सामान्य है लेकिन दोनों पक्षों में तनाव बना हुआ है।

विवाद का मुख्य कारण बताया जा रहा है कि कलश यात्रा जिस सड़क से जा रहा थी, उसी सड़क पर आवारा मुर्गा-मुर्गी भीड़ के कारण डरकर इधर-उधर भागने लगे। मुर्गा-मुर्गी का डरकर इधर उधर भागना ही घटना का कारण बना। मुस्लिम लोगों का कहना था कि पक्षी को क्यों हड़काया गया और इसी बात को लेकर पत्थरबाजी शुरू हो गई।

भोपाल। हर वर्ष के भांति इस वर्ष भी बांके बिहारी यादव समाज ने होली मिलन समारोह कार्यक्रम रखा जिसमें समाज के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए। इस होली को फूलों से मनाया गया वहीं प्रदेश अध्यक्ष गंगासागर का कहना है कि हम समाज के उन सभी लोगों को अपील करना चाहते हैं कि वह आए और समाज से जुड़े तथा समाज में चार बड़े प्रोग्राम किए जाते हैं। यह प्रोग्राम करने का उद्देश्य यही है कि समाज के लोग इकट्ठे हो वहीं उन्होंने जाति प्रमाण पत्र की समस्या के लिए मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने की बात कही।

संक्षिप्त समाचार

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रदेशवासियों को दी ईद-उल-फितर की शुभकामनाएं

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेशवासियों को ईद-उल-फितर की शुभकामनाएं दी हैं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि ईद का पर्व त्याग, सेवा और भाईचारे का प्रतीक है। यह त्योहार हमें समाज में एकता और सौहार्द्र को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। उपवास और इबादत के इस पवित्र महीने के बाद ईद का त्योहार सभी के जीवन में खुशहाली और समृद्धि लाए, ऐसी कामना है।

आबकारी ठेके में पिछले साल की तुलना में 25 फ़ीसदी ज़्यादा कमाई

भोपाल। वर्ष 2025-26 के लिए आबकारी ठेके की नीलामी की प्रक्रिया चल रही है। अभी तक की नीलामी में पिछले साल की तुलना में आबकारी विभाग के ठेके 22 ।3 फ़ीसदी अधिक राशि में गए हैं। 15772 करोड रुपए नीलामी में अभी तक प्राप्त हो चुके हैं। इंदौर, जबलपुर, दमोह, देवास इत्यादि जिले के कई ठेकों की नीलामी अभी तक पूरी नहीं हुई है। जो ठेके नीलम नहीं हो पाएंगे। उनकी नीलामी अप्रैल के प्रथम सप्ताह में होगी। पिछले वर्ष आबकारी विभाग का राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य 13896 करोड रुपए था। इस वर्ष यह लक्ष्य 16613 करोड रुपए रखा गया। ई-टेंडरिंग के माध्यम से अभी नीलामी प्रक्रिया चल रही है।

मुंबई पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में न्यू मार्केट से दंपत्ति को लिया हिरासत में

भोपाल। राजधानी भोपाल के न्यू मार्केट थाना इलाके से शनिवार की शाम को मुंबई से आई पुलिस पार्टी ने एक दंपती को हिरासत में लिया है। सूत्रो की मानी जाये तो करोड़ों रूपए की साइबर ठगी के एक मामले में मुंबई पुलिस को उन दोनो की तलाश थी। उनकी तलाश में जुटी मुंबई पुलिस उनकी लोकेशन ट्रेस करती हुई भोपाल पहुंची थी। यहां क्राइम ब्रांच को इसकी सूचना दी इसके बाद भोपाल क्राइम ब्रांच टीम की मदद से दोनों को हिरासत में लिया गया है। जानकारी के मुताबिक सुधांशु नाम के व्यक्ति व उसकी पत्नी को हिरासत में दिया गया है। भोपाल क्राइम ब्रांच अफसरो का कहना है कि मुंबई क्राइम ब्रांच टीम ने भोपाल आकर दो लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि अभी इस बात की जानकारी नहीं दी गई है, उन्हें किस प्रकरण में उनकी तलाश थी।

भोपाल सहित चार नगर निगमों को मिलेगी विशेष निधि

भोपाल। राजधानी सहित चार नगर निगमों को 50 करोड़ रुपए से लेकर सौ करोड़ रुपए तक विशेष निधि मिलेगी। इन निकायों ने पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 15 प्रतिशत अधिक राशि वसूल की है। पंद्रहवें वित्त आयोग ने उन निकायों को विशेष अनुदान के रूप में 50 करोड़ से लेकर सौ करोड़ रुपए तक देने का वादा किया है। यह राशि निकायों के इंफ्रास्ट्रक्चर और मानव संसाधन को मजबूत करने में उपयोग की जाएगी। प्रदेश में नगरीय निकाय बकायादारों से वसूली के लिए विभिन्न प्रयास कर रहे हैं। अब तक 2800 करोड़ रुपए की वसूली हो चुकी है और अगले तीन दिनों में 3300 करोड़ रुपए से अधिक राशि वसूलने का अनुमान है। इस राशि को प्रदेश के 413 निकायों में वितरित किया जाएगा, जिसके चलते इन निकायों ने अवकाश के दिनों और ऑफिस समय के अलावा भी कार्यालय खोले हैं। वसूली की गति धीमी होने के कारण जबलपुर, खंडवा, सिंगरौली सहित दस नगर निगमों पर विशेष निधि मिलने का संकट है। इन निकायों में पिछले वर्ष की तुलना में ज्यादा वसूली तो हुई है, लेकिन 15 प्रतिशत की वसूली तक पहुंच पाना मुश्किल लग रहा है।

राज्यपाल पटेल और मुख्यमंत्री की उपस्थिति में हुआ विक्रम विश्वविद्यालय का 29वां दीक्षांत समारोह

विक्रम विश्वविद्यालय अब सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाएगा - मुख्यमंत्री

दीक्षांत समारोह वास्तव में सेवा के संकल्प का समारोह है - राज्यपाल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में रविवार को विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन का 29वां दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव और हार्टफुलनेस संस्था के संस्थापक कमलेश पटेल को विश्वविद्यालय द्वारा डी-लिट की मानद उपाधि प्रदान की गई। साथ ही 70 विद्यार्थियों को उपाधि, 99 को मेडल और 2 शोधार्थियों को डी-लिट उपाधि प्रदान की गई।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि विक्रम विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होकर अत्यंत आनन्द का अनुभव हो रहा है। दीक्षान्त समारोह में अपनी उपाधियाँ प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को मैं आत्मीय बधाई देता हूँ। राज्यपाल ने सभी विद्यार्थियों के यशस्वी एवं मंगलमय भविष्य की कामना करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह वास्तव में सेवा के संकल्प का समारोह है। जीवन में सफलता के लिए कठोर अनुशासन की आवश्यकता होती है।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि शिक्षा, धर्म, साहित्य, संस्कृति, विज्ञान और व्यापार के क्षेत्रों में भारत के मानचित्र पर उज्जैन की अपनी विशिष्ट पहचान है। क्षिप्रा के पवित्र तट पर बसे उज्जैन नगर में विद्याध्ययन की अभिलाषा से आये श्रीकृष्ण की कथा पूरे संसार में प्रसिद्ध है। महर्षि सान्दीपनि के गुरुकुल का यह पुरातन क्षेत्र आज भी जन-जन की आस्था का केन्द्र है, जहाँ स्वयं जगद्गुरु ने शिक्षा पायी थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ज्ञान-विज्ञान के अनेक नवीन क्षेत्र प्रकाश में आ रहे हैं। पारम्परिक विषयों के साथ अनेक नवीन विषयों में उच्च शिक्षा के नये आयाम विकसित हुए हैं। भारत के प्रतिभा सम्पन्न छात्र-छात्राओं ने विश्व फलक पर अपनी प्रतिभा और क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। राज्यपाल पटेल ने कहा कि दीक्षित होने वाले विद्यार्थी अपने माता-पिता और गुरुजनों का आजीवन सम्मान करें। माता-पिता कई कष्टों को झेलकर अपने बच्चों का पालन-पोषण और शिक्षा-दीक्षा की व्यवस्था करते हैं। अत: जीवन में अपने माता-पिता का सदैव सम्मान करें और उनकी सेवा करें, तभी हम अपने समाज और राष्ट्र की सेवा कर सकेगें और हमारा जीवन बेहतर होगा। एक अच्छे और जिम्मेदार नागरिक बन कर हम अपने देश की प्रगति में योगदान दे सकेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जयिनी के गौरव दिवस और विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और परिश्रम के आधार पर प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्तकरने के साथ अन्य उपलब्धियां अर्जित की हैं। यह उपलब्धियां विद्यार्थियों के ज्ञान और विद्या के साथ उनका उत्तरदायित्व भी बढ़ाती हैं। विद्यार्थियों के लिए भविष्य की अनेक संभावनाएं विद्यमान हैं। यही कामना है कि विद्यार्थी न केवल देश एवं प्रदेश की सेवा करें अपितु अपने कर्म और योगदान के आधार पर विक्रम विश्वविद्यालय के साथ प्रदेश और देश का नाम भी दुनिया में रोशन करें।

हर्षोल्लास के मनी गुड़ी पड़वा और चैटी चंड पर्व मना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का दिन कई मायनों में हम सब के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। उज्जैन नगरी सात पवित्रतम नगरियों में से एक है। हर कल्प में इसका विशेष महत्व रहा है। आज भारतीय नव वर्ष प्रतिपदा पर हम सब हर्षोल्लास के साथ गुड़ी पड़वा और चैटी चंड पर्व मना रहे हैं। आज उज्जैन का गौरव दिवस भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विक्रम विश्व विद्यालय अब सम्राट विक्रमादित्य के नाम से जाना जाएगा। माधव विज्ञान महाविद्यालय के परिसर में शीघ्र ही विशाल सभागार बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि जिन विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई है, वे अपनी प्रतिभा का उपयोग अभीष्ट उद्देश्य की प्राप्ति के लिए करें। समाज-सेवा और राष्ट्र की सेवा करें। भविष्य कि अपार संभावनाएं आपका इंतजार कर रही हैं। हमारे शोधार्थी विश्व पटल पर अपने शहर, राज्य और देश का नाम लेकर जाएं।

विक्रम नव संवत्सर के आरंभ पर प्रदेशवासियों को दी मंगलकामनाएं

मुख्यमंत्री ने विक्रम संवत् 2082 के आरंभ पर सूर्य को अर्ध्य देकर पूजन-अर्चन किया

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को उज्जैन में प्रात: भारतीय नव वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, विक्रम नव संवत्सर 2082 के आरंभ के अवसर पर उदीयमान सूर्य देव को अर्ध्य दिया और हिंदू नव वर्ष पर विक्रम ध्वज, गुड़ी का दत्त अखाड़ा घाट पर पूजन-अर्चन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों और देशवासियों को भारतीय नववर्ष की मंगलकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति के अंतर्गत पर्व और त्योहारों का निर्धारण मंगल तिथियां के आधार पर होता है। खगोलीय गतिविधियों की दृष्टि से गुड़ी पड़वा अर्थात प्रतिपदा, वर्ष की पहली मंगल तिथि है। इस मंगल तिथि का अभिवादन कहीं चेटीचंड, कहीं वर्ष प्रतिपदा और कहीं गुड़ी पड़वा सहित अन्य अनेक नाम से किया जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया की यह प्राचीन सनातन संस्कृति की अनुपम परंपरा है। इसी तिथि पर चंहुओर खुशियों, समृद्धि और हर्षोल्लास का वातावरण होता है। गुड़ी पड़वा पर घर-घर स्थापित होने वाला कलश हमारी पवित्र आत्मा को अभिव्यक्त करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समृद्धि और विकास का नव संवत्सर सभी के जीवन में सुख- समृद्धि और आनंद का भाव लाए, ईश्वर से यही कामना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूजन-अर्चन उपरांत माँ क्षिप्रा की गोद में नौका विहार कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इसके बाद देव दर्शन कर साधु-संतों और श्रद्धालुओं से मुलाकात की। उन्होंने दत्त अखाड़ा के पीठाधीश्वर संत सुंदरपुरी महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त कर सत्संग किया।

दत्त अखाड़ा के पीठाधीश संत सुंदरपुरी महाराज ने मुख्यमंत्री का शॉल पहनाकर स्वागत कर आशीर्वाद दिया। संत ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से कहा कि यह हिंदू नव वर्ष ही वास्तव मे प्रकृति का नव वर्ष है, जिसमें प्रकृति नव श्रृंगार करती है।

विशेष बच्चों के लिए समर्पित तक्षशिला इंस्टीट्यूट का पहला साल

थेरेपी से लेकर स्किल ट्रेनिंग तक की सुविधाएं, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल के राजीव गांधी कॉलेज ऑफ नर्सिंग ऑडिटोरियम में तक्षशिला इंस्टीट्यूट फॉर चाइल्ड डेवलपमेंट का प्रथम स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना और दीप प्रज्वलन से हुई।

संस्थान के निदेशक अनिल कलाधरन और रोली मिश्रा ने बताया कि पिछले साल विशेष जरूरतों वाले बच्चों के लिए इस संस्थान की स्थापना की गई। उनका मुख्य लक्ष्य ट्रांसडिसीप्लिनरी दृष्टिकोण से बच्चों का समग्र विकास करना है।

संस्थान में बच्चों को कई सुविधाएं दी जाती हैं। इनमें स्कूल प्रोग्राम और आफ्टर स्कूल प्रोग्राम शामिल हैं। साथ ही ऑक्यूपेशनल थेरेपी, बिहेवियर थेरेपी, फिजिकल थेरेपी, स्पीच थेरेपी, प्ले थेरेपी और सोशल स्किल ट्रेनिंग की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। एक साल में बच्चों की क्षमताओं में सुधार देखा गया है।

संस्थान ने दिव्यांगता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए वांकेथन जैसे सार्वजनिक कार्यक्रम भी आयोजित किए। स्थापना दिवस समारोह में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और नृत्य पेश किए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री मिहिर कुमार (आरोग्य भारती के केंद्रीय कार्यालय प्रमुख) मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय सिंह राठौड़, राजीव गांधी ग्रुप की उपाध्यक्ष लतिका चौहान और निदेशक डॉ. डी विजय कुमार शामिल थे।

मौत के मामले में पॉच संदेहियो को हिरासत में लेकर पुलिस ने 31 घंटे तक बंधक बनाकर पीटा

भोपाल/सतना। सतना के कोठी थाना इलाके पवइया में बीते दिनो हुए मनीष सिंह की मौत के मामले में गुत्थी सुलझाने में पुलिस को अहम सुराग हाथ नहीं लगे है। इसी प्रकरण में पुलिस पर पूछताछ के लिये 5 संदेहियों को 31 घंटे तक बंधक बना कर उनके साथ अमानवीय रुप से मारपीट करने के आरोप लगे हैं। इतना ही नहीं एक संदेही योगेंद्र सिंह उर्फ बीरू ने पुलिस पर जीभ पर करंट लगाने का आरोप भी लागाया है। शिकायत मिलने पर एसपी आशुतोष गुप्ता ने आरोपों की जांच कराने की बात कही है। वहीं कोठी थाना टीआई ने इन आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि पूछताछ के बाद संदेहियों का मेडिकल कराया गया है। जानकारी के अनुसार ग्राम पवइया के एक खेत में ट्रांसफॉर्मर के पास 20 फरवरी को मनीष सिंह पुत्र श्रीराम सिंह की लाश मिली थी। पीएम रिपोर्ट में मृतक के गले की हड्डी और एक हाथ टूटा पाए जाने पर अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जॉच की जा रही है। मनीष की हत्या के शक में 25 फरवरी को योगेंद्र उर्फ वीरू को थाने तलब कर 4 घंटे पूछताछ की थी। बाद में 19 मार्च को कोठी थाने के एएसआई आरबी सिंह, कांस्टेबल मानवेंद्र सिंह चंदेल, रमेश चंद्र मीणा और कंम्प्यूटर ऑपरेटर रिंकू जाटव योगेंद्र के घर पहुंचे। योगेंद्र के साथ चुनकौना कोल, संतो कोल, रामकरण चौधरी और प्रभात सिंह को पुलिस टीम दोपहर के समय कोठी से ले आई कि टीआई उससे पूछताछ करना चाहते हैं।

एक अप्रैल से सिर्फ संपदा-2 पर होंगी रजिस्ट्रियां

महानिरीक्षक पंजीयन ने सभी जिला पंजीयक और उप पंजीयकों को निर्देशित किया

भोपाल ■ अमृत दर्शन

नए वित्तीय वर्ष से प्रदेश की ई-पंजीयन प्रणाली में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। एक अप्रैल से सिर्फ संपदा-2 पोर्टल पर ही रजिस्ट्रियां और स्टांप दर्ज किए जा सकेंगे। संपदा -1 को पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। ऐसे में लोगों के पास अब सिर्फ दो दिन 30 और 31 मार्च का ही समय संपदा -1 से रजिस्ट्री व स्टांपिंग कराने के लिए बचा है। संपदा साफ्टवेयर को लेकर महानिरीक्षक पंजीयन अमित तोमर ने शनिवार को आदेश जारी किए हैं।

इसमें बताया गया है कि ई-रजिस्ट्री और ई-स्टांप प्रणाली में संपदा पोर्टल के उन्नत संस्करण संपदा-2 का संचालन अप्रैल 2024 से अक्टूबर 2024 तक चार जिलों में प्रायोगिक तौर पर शुरू किया गया था। इसे 10 अक्टूबर 2024 से प्रदेश में विस्तारित किया जा चुका है। उन्नत संस्करण के माध्यम से फरवरी 2025 तक कुल दो लाख 19 हजार 878 दस्तावेजों की रजिस्ट्री और एक लाख 10 हजार 524 रुपयों के ई-स्टांप जारी किए जा चुके हैं।

जारी आदेश के कुछ प्रमुख बिंदु

सेवा प्रदाताओं के लिए नवीन क्रेडिट लिमिट लेने की सुविधा 30 मार्च को बंद कर दी जाएगी। 31 मार्च के लिए रजिस्ट्री प्रस्तावित है तो शुल्क पहले जमा कर दें। संपदा-1 से रजिस्टर्ड दस्तवेजों को देने से पहले अच्छे से जांच लें, विसंगति होने पर दस्तावेज जारी न करें। अंतिम दिन में रजिस्टर्ड दस्तावेजों का प्रिंट उसी दिन पक्षकारों को दिया जाए। अंतिम दिन में रजिस्टर्ड होने वाले दस्तावेजों के सपोर्ट टिकट निपटाए जाएं, विसंगति होने पर दोबारा से बनाएं।

वर्तमान में पायलट जिलों के मुख्यालय उप पंजीयक कार्यालयों में सिर्फ संपदा-2 संचालित किया जा रहा है। इसे विस्तारित करते हुए प्रदेश के सभी उप पंजीयक कार्यालयों के लिए लागू करते हुए संपदा-1 का संचालन बंद किए जाने का निर्णय लिया गया है। ऐसे में सभी सेवा प्रदाता संपदा-1 में ली गई क्रेडिट लिमिट को 31 मार्च तक उपयोग कर लें।

26वें मेडिसिन अपडेट 2025 कार्यक्रम में हुए शामिल

मेडिसिन अपडेट जैसे सेमिनार सुरक्षित स्वस्थ भविष्य के लिए आवश्यक : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि हेल्थ केयर क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकता से निरंतर प्रगति हो रही है। मेडिसिन अपडेट जैसे सेमिनार नए निष्कर्ष निकालने में सहायक होते हैं, जिससे नई पीढ़ी को भी लाभ मिलता है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया के जबलपुर चेप्टर द्वारा होटल विजन महल में 26वें मेडिसिन अपडेट 2025 कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाई जाक़ रही है। मेडिकल कॉलेज में प्रदेश में एमबीबीएस की 10 हज़ार और पीजी में 5 हज़ार सीट की वृद्धि की जाएगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। प्रदेश में 10 हजार करोड़ का निवेश हेल्थ केयर में किया गया है और डॉक्टरों के लिए बेहतर प्रोजेक्ट तैयार किए जा रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि डॉक्टरों की क्वालिटी और मानक, मानवता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। समय के साथ उन्हें अपडेट रहना चाहिए और ऐसे सेमिनार से नई जानकारी प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को सेवा भाव से कार्य कर समाज में उत्कृष्ट योगदान देना चाहिए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से पांचवें स्थान पर आ गई है और 2047 तक अमेरिका और चीन को भी पीछे छोड़कर भारत शीर्ष पर पहुँचेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत की अग्रणी भूमिका होगी। उन्होंने सेमिनार में आए निष्कर्षों को सरकार तक पहुंचाने की बात कही। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने उत्कृष्ट योगदान देने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया गया।

पूर्व मंत्री और विधायक अजय बिश्नोई ने कहा कि मेडिसिन अपडेट समय की मांग है। एलोपैथी में नई खोजों से पीड़ित मानवता की सेवा होती है। उन्होंने आयुष के क्षेत्र में हो रहे शोध कार्यों की भी सराहना की। इस दौरान एआईपी के प्रेसिडेंट डॉ. नवीन शर्मा, सचिव डॉ. अभिषेक तिवारी, सीएमएचओ डॉ. संजय मिश्रा और अन्य प्रतिष्ठित चिकित्सक मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुआ।

प्रॉपर्टी-पानी पर टैक्स बढ़ा सकती है शहर सरकार

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल में शहर सरकार प्रॉपर्टी और पानी पर टैक्स बढ़ा सकती है। यदि टैक्स बढ़ता है तो यह मौजूदा परिषद में पहली बार होगा। तीन साल पहले जलकर बढ़ा था, तब तत्कालीन निगम कमिश्नर केवीएस चौधरी कोलसानी ने बजट पेश किया था, जबकि भोपाल संभागायुक्त गुलशन बामरा ने उसे पास किया था। जलकर 15 प्रतिशत यानी, 30 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। अबकी बार भी 10 प्रतिशत तक जलकर बढ़ सकता है।

जलकर बढ़ाए जाने की तस्वीर 3 अप्रैल को होने वाली बजट बैठक में ही साफ हो सकेगी, क्योंकि विपक्ष जल कर बढ़ाने का विरोध कर रहा है। दूसरी ओर, निगम के जिम्मेदार आर्थिक तंगी का हवाला दे रहे हैं। जल कर के अलावा प्रॉपर्टी टैक्स में भी 10 से 15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी संभव है। हालांकि, बजट और बैठक में लिए जाने वाले निर्णय को पूरी तरह से गोपनीय रखा जा रहा है। इसे लेकर एक गोपनीय बैठक भी होगी। शहर में पौने 3 लाख से ज्यादा नल कनेक्शन हैं। इनमें 2 लाख कनेक्शन 2400 स्क्वायर फीट या इससे कम एरिये वाले मकानों में लगे हैं।

अनमोल वचन

इस दुनिया में आजाद कौन है? वह व्यक्ति जो खुद पर नियंत्रण रखता है।
होरेस

बड़ा सोचे, जल्दी सोचे, आगे सोचे विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है।
धीरूभाई अंबानी

सम्पादकीय

विदेश नीति की विफलता से भारत को पड़ोसी देशों से चुनौती

भारत की विदेश नीति हमेशा से पड़ोसियों के साथ बेहतर संबंधों और वैश्विक मंच पर जरूरत को ध्यान में रखते हुए स्थिति से जुड़ी रही है। हाल के वर्षों में कुछ नीतिगत निर्णयों और पड़ोसी देशों से बिगड़ते संबंधों ने भारत के लिए गंभीर कूटनीतिक चुनौतियां पैदा कर दी हैं। इन चुनौतियों के कारण भारत को अपने पड़ोसी देशों के साथ बिगड़ते संबंधों के कारण कूटनीतिक हार का सामना करना पड़ा है। भारत की सबसे बड़ी हार बांग्लादेश के तीस्ता जल समझौता और नेपाल के संबंधों को लेकर है, जहां सबसे ज्यादा चिंताजनक स्थिति में भारत पहुंच गया है। भारत और बांग्लादेश के संबंध ऐतिहासिक रूप से मजबूत रहे हैं। बावजूद इसके हाल ही में चीन की बढ़ती दखलंदाजी ने भारत और बांग्लादेश के संबंधों में खटास ला दी है। तीस्ता जल समझौते पर वर्षों से भारत की टाल-मटोल नीति ने बांग्लादेश को निराश किया। चीन ने इस अवसर का लाभ उठाकर वहां अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा दी। बांग्लादेश और चीन का इस मामले में समझौता होने जा रहा है। प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल में भारत की उपेक्षा के बावजूद बांग्लादेश ने धैर्य बनाए रखा था। नई सरकार के आते ही चीन ने तीस्ता परियोजना को अपने हाथ में ले लिया। यह भारत के लिए रणनीतिक रूप से बड़ी हार है। नेपाल, म्यांमार और अन्य पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंध हाल के वर्षों में काफी तनावपूर्ण हो गये हैं। उन देशों की आंतरिक राजनीति में भारत पर हस्तक्षेप के आरोप लगे हैं। नेपाल में भारत के प्रति असंतोष बढ़ा है। वहीं, म्यांमार में चीन की सक्रियता और भारत की निष्क्रियता ने पड़ोसी देश के साथ संबंधों और सीमा के मामले में भारत को कमजोर किया है। भूटान, हमेशा से भारत का परंपरागत सहयोगी रहा है। भारत और भूटान के बीच में भी दूरियां बढ़ रही हैं। भूटान विदेश नीति के मामले में अधिक स्वतंत्रता से आगे बढ़ रहा है। श्रीलंका और मालदीव मे भी चीन की रणनीतिक पकड़ भारत की तुलना में काफी मजबूत हुई है। भारत का प्रभाव उपरोक्त देशों में सीमित होता जा रहा है। जिसके कारण भारत के लिये सीमावर्ती चुनौतियां बढ़ती चली जा रही हैं। पिछले एक दशक में भारत की विदेश नीति पड़ोसी देशों के साथ अनुकूल नहीं रही है। उससे भारत के संबंध अपने पड़ोसी देशों के साथ पहले की तुलना में बहुत खराब हुए हैं। भारत की यह हार भविष्य में भारत के लिए बहुत बड़ी चुनौतियां पैदा करने जा रही है। यह सिर्फ पडोसी देश तक सीमित नहीं है। इसके प्रभाव भारत की सीमा सुरक्षा एवं व्यापार के क्षेत्र में भी बड़ा असर डालेगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़े पैमाने पर इसका असर होगा। समूचे दक्षिण एशिया में चीन की आक्रामक विदेश नीति ने भारत के लिए कई बड़ी चुनौतियां पैदा कर दी हैं। भारत सरकार की निष्क्रियता से पड़ोसियों के बेहतर रिश्तों को खराब कर दिया है। अभी भी समय है, भारत सरकार अपनी नीतियों की समीक्षा करे। अपने मित्र देशों और पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंध बने, इसके लिए उन्हें पुन: विश्वास में लेने का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से करना चाहिए। भारत और भूटान के बीच में भी दूरियां बढ़ रही हैं। भूटान विदेश नीति के मामले में अधिक स्वतंत्रता से आगे बढ़ रहा है। श्रीलंका और मालदीव मे भी चीन की रणनीतिक पकड़ भारत की तुलना में काफी मजबूत हुई है। भारत का प्रभाव उपरोक्त देशों में सीमित होता जा रहा है। जिसके कारण भारत के लिये सीमावर्ती चुनौतियां बढ़ती चली जा रही हैं। पिछले एक दशक में भारत की विदेश नीति पड़ोसी देशों के साथ अनुकूल नहीं रही है। अन्यथा विदेश नीति की कूटनीतिक हार भारत के लिए गंभीर सामरिक चुनौतियों के साथ-साथ आर्थिक चुनौतियों को भी बढ़ाने वाली होगी। चीन जिस तरह से भारत को चारों ओर से घेर रहा है। चीन की ओर से भारत को लगातार चुनौतियां मिल रही हैं। ऐसी स्थिति में भारत को जरूरत से ज्यादा सजग रहने की जरूरत है। भारत एक बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। निश्चित रूप से भारत और चीन के बीच में व्यापारिक और सीमा क्षेत्र में हमेशा प्रतिस्पर्धा बनी रहेगी। इसको ध्यान में रखते हुए भारत को अपने आप को सशक्त बनाना होगा। चीन का मुकाबला हम कर सकें, ऐसी नीतियां बनानी होंगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत एक प्रमुख भूमिका में जैसे पहले रहता था, आगे भी वही स्थिति भारत की बनी रहे। इसको ध्यान में रखते हुए विदेश नीति मे बड़े बदलाव ओर सुधार की जरूरत है। विदेश नीति अधिकारियों के माइंडसेट से तय नही हो सकती है। इसके लिए राजनीतिक समझ और इच्छा शक्ति की जरूरत होती है। इसका ध्यान रखना वर्तमान स्थिति में सरकार के लिए बहुत जरूरी हो गया है। नेपाल में जिस तरह से हिंदू राष्ट्र बनाने की मुहिम में भारतीय संगठनों का नाम सामने आ रहा है, उसके कारण हमने एक अपने पड़ोसी देश नेपाल को भी बुरी तरह से नाराज कर लिया है। विदेश नीति बड़ी संवेदनशील होती है। नेपाल के मामले में भारत सरकार को गंभीर चिंतन करने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अत-वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है। यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है। एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके। उदाहरण के लिए ज्यों ही वह कुत्ते के शरीर में स्थापित किया जाता है, उसे कुत्ते की भांति आचरण करना होता है। यदि जीव को शूकर का शरीर प्राप्त होता है, तो वह मल खाने तथा शूकर की भांति रहने के लिए बाध्य है। इसी प्रकार यदि जीव को देवता का शरीर प्राप्त होता है, तो उसे अपने शरीर के अनुसार कार्य करना होता है। यही प्रकृति का नियम है। लेकिन समस्त परिस्थितियों में परमात्मा जीव के साथ विद्यमान रहता है।

विक्रम सम्वत: प्रकृति के संरक्षण, संवर्धन और विकास का उत्सव

डॉ. मोहन यादव

आज से विक्रम सम्वत् 2082 आरंभ हुआ है। यह प्रदेशवासियों के लिये गर्व और गौरव का विषय है कि भारतीय नववर्ष विक्रम सम्वत् के उज्जयिनी से शुरू हुआ। यह सम्राट विक्रमादित्य के राज्याभिषेक की तिथि है। सम्राट विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रांताओं को पराजित कर विक्रम सम्वत् का प्रवर्तन किया था। न्यायप्रियता, ज्ञानशीलता, धैर्य, पराक्रम, पुरुषार्थ, वीरता और गंभीरता जैसी विशेषताओं के लिए सम्राट विक्रमादित्य को समूचे विश्व में स्मरण किया जाता है। उन्होंने सुशासन के सभी सूत्रों को स्थापित करते हुए अपने सुयोग्य 32 मंत्रियों का चयन किया, इसीलिए उनके सिंहासन को 'सिंहासन बत्तीसी' कहा जाता है।

भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का दिन ऋतु परिवर्तन के अनुरूप स्वयं को सक्षम बनाने का समय है। इसे कहीं %गुड़ी पड़वा% तो कहीं %चैती चांद%, कहीं %युगादि% तो कहीं %उगादि% और कहीं %नवरोज अगदु% के रूप में मनाया जाता है। विविध स्वरूपों में मनाया जाने वाला नववर्ष का यह पर्व 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को स्थापित करता है। इसके साथ नवरात्र का आरंभ होता है। यह नौ दिन आरोग्य, साधना और कायाकल्प के लिए होते हैं।

नवसम्वत्सर की तिथि सृष्टि निर्माण की तिथि है। इसका निर्धारण संपूर्ण वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ हुआ है। इसे मनाने की परंपरा व्यक्ति, परिवार और समाज, तीनों के स्वस्थ जीवन और समृद्धि को ध्यान में रखकर शुरू की गई। यह हमारे पूर्वजों के शोध की विशेषता है कि हजारों वर्ष पहले पूर्वजों को ग्रहों की गति और नक्षत्रों की स्थिति का पूर्ण ज्ञान था और इस गणना को ही वैदिक घड़ी कहा गया है। बाबा महाकाल की नगरी विश्व में कालगणना का केंद्र रही है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उज्जैन की वेधशाला में स्थित विश्व की पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी की पुनर्स्थापना की है।

मुझे यह बताते हुए खुशी है कि भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं के प्रकटीकरण के लिए हम विक्रमोत्सव का आयोजन कर रहे हैं। विक्रमोत्सव हमारी गौरवशाली विरासत और वर्तमान के विकास का उत्सव है। यह उत्सव 26 फरवरी से प्रारंभ होकर 30 जून तक चलेगा। इस 125 दिन तक चलने वाले उत्सव में विविध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कार्यक्रमों के साथ सम्राट विक्रमादित्य के समूचे व्यक्तित्व, कृतित्व और विशेषताओं को परिचित कराने का प्रयास किया जा रहा है। आगामी 12-13 और 14 अप्रैल 2025 को नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित एक भव्य आयोजन होने जा रहा है।

श्रीकृष्ण की दीक्षा नगरी उज्जयिनी का संबंध भारत की हर विशेषता से है। उज्जैन धरती के केन्द्र में स्थित है। यहां भगवान श्रीकृष्ण ने सांदीपनि आश्रम में शिक्षा प्राप्त की थी। मध्यप्रदेश सरकार ने संकल्प लिया है कि सांदीपनि आश्रम से श्रीकृष्ण पाथेय के निर्माण का आरंभ होगा।

मध्यप्रदेश का 2025-26 का बजट प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को केन्द्र में रखकर प्रस्तुत किया गया है। इसमें विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण की अवधारणा अनुसार बजट को बहुआयामी स्वरूप दिया गया है। इस बजट में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के साथ विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि का भी प्रावधान है। वर्ष भर के संकल्पों की पूर्ति के लिए हमने बजट में 15 प्रतिशत की वृद्धि की है। हमारा यह बजट मध्यप्रदेश की समृद्धि और आत्मनिर्भरता के लिए बनाये रोडमैप के संकल्प की पूर्ति के लिए है। इसमें आर्थिक सुधार, सामाजिक न्याय, सतत् विकास के साथ प्रधानमंत्री जी का मंत्र, ज्ञान, (त्वङ्कह) पर ध्यान शामिल है। ज्ञान के चारों स्तंभों को सशक्त करने के लिए बजट में विशेष प्रावधान हैं। इसमें गरीब कल्याण (त्व) में अंत्योदय की अवधारणा को साकार किया जायेगा। युवा शक्ति (ङ्क) में कौशल विकास, प्रशिक्षण तथा रोज़गार के अवसर प्रदान किये जायेंगे। अन्नदाता (८) में किसानों की आय में वृद्धि करने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जायेगा। नारी शक्ति (ह) में महिलाओं को समग्र रूप से सशक्त बनाने के लिए आयोजना बनाई गई है।

हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमें विरासत से विकास का सूत्र दिया है। उनके नेतृत्व में समाज, प्रदेश और देश को सशक्त बनाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार अपनी तरह से कार्य कर रही है। मुझे बताते हुए खुशी है कि प्रधानमंत्री जी के 'विरासत के साथ विकास' मंत्र को प्रदेश में धरातल पर उतारने का प्रयास किया जा रहा है। मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और पुरातात्विक स्थलों के विकास के लिए बजट में अलग से प्रावधान किया है। ऐतिहासिक विरासत को सहेजने के इस अभियान में ओंकारेश्वर, उज्जैन, मैहर आदि धार्मिक स्थलों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा। वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ पर्व के आयोजन की भव्यता और दिव्यता के लिए दो हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। श्रीराम वन गमन पथ और श्रीकृष्ण पाथेय के लिए अलग से बजट है। हम इन स्थानों पर अधोसंरचना विकास के साथ पर्यटन को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी कार्य करेंगे। इससे स्थानीय लोगों को रोज़गार मिलेगा और मध्यप्रदेश की विरासत संसार के सामने आएगी।

प्रधानमंत्री जी के लोकल फॉर वोकल के संकल्प को आकार देने के लिए रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और ग्लोबल इंडस्ट्री समिट में प्राप्त प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जायेगा। इससे मध्यप्रदेश के हर क्षेत्र की विशेषता, क्षमता और दक्षता विश्व स्तर तक पहुंचेगी। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूर्ण करने के लिए हम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

गुड़ी पड़वा के अवसर पर हमारी परंपरा में सूर्योदय के पहले बहते हुए स्वच्छ जल में स्नान करने का विधान है। ऊषाकाल में सूर्य को प्रणाम किया जाता है। यह जलस्रोत के प्रवाह स्थल को सुरक्षित रखने का संकल्प है। प्रकृति के इस संदेश को स्वरूप प्रदान करते हुए हम प्राकृतिक स्रोतों की सुरक्षा के लिए आज से जल गंगा अभियान शुरू कर रहे हैं। इसकी शुरुआत उज्जैन के क्षिप्रा तट से होने जा रही है। इसमें जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए वर्षा जल संचयन, जलस्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया गया है। इसके अंतर्गत 1 लाख जलदूत तैयार किये जायेंगे। लघु एवं सीमांत किसानों के लिए 50 हजार नए खेत-तालाब बनाए जाएंगे। प्रदेश की 50 से अधिक नदियों के वॉटरशेड क्षेत्र में जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य होंगे। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व के तालाबों, जलस्रोतों एवं देवालयों में कार्य किए जाएंगे। यह अभियान आज से प्रारंभ होकर 30 जून तक चलेगा। मुझे विश्वास है कि यह अभियान प्रदेश में जल संकट को खत्म करने और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

भारतीय नववर्ष प्रकृति के संरक्षण, संवर्धन और निर्माण की प्रेरणा देता है। इसमें सृष्टि, संस्कृति और समाज का संगम है। ऋतुकाल संधि के इन दिनों में नवचेतना, नवजागृति का संदेश है। मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता के साथ प्रकृति के नवसृजन और विकसित मध्यप्रदेश निर्माण का संकल्प लेता हूं। मुझे उम्मीद है कि इस वर्ष आरंभ होने वाले विशेष प्रयास आप सभी के जीवन में समृद्धि, खुशहाली और आनंद लेकर आएंगे।

यह वर्ष आप सभी के लिए मंगलमय हो, शुभ हो। एक बार पुन: भारतीय नववर्ष की शुभकामनाएं।

(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

कला-संस्कृति - राजस्थान का प्रमुख लोकोत्सव है गणगौर

इस दिन अविवाहित कन्याएं और विवाहित स्त्रियां भगवान शिव, माता पार्वती की पूजा करती हैं। साथ ही उपवास रखती हैं। कई क्षेत्रों में भगवान शिव को ईसर जी और देवी पार्वती को गौरा माता के रूप में पूजा जाता है। गौरा जी को गवरजा जी के नाम से भी जाना जाता है। धर्मग्रंथों के अनुसार श्रद्धाभाव से इस व्रत का पालन करने से अविवाहित कन्याओं को इच्छित वर की प्राप्ति होती है और विवाहित स्त्रियों के पति को दीर्घायु और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

रमेश सर्राफ धमोरा

गणगौर एक प्रमुख त्योहार है। यह मुख्य रूप से राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र में मनाया जाता है। गणगौर दो शब्दों गण और गौर से बना है। इसमें गण का अर्थ भगवान शिव और गौर का अर्थ माता पार्वती से है। इस दिन अविवाहित कन्याएं और विवाहित स्त्रियां भगवान शिव, माता पार्वती की पूजा करती हैं। साथ ही उपवास रखती हैं। कई क्षेत्रों में भगवान शिव को ईसर जी और देवी पार्वती को गौरा माता के रूप में पूजा जाता है। गौरा जी को गवरजा जी के नाम से भी जाना जाता है। धर्मग्रंथों के अनुसार श्रद्धाभाव से इस व्रत का पालन करने से अविवाहित कन्याओं को इच्छित वर की प्राप्ति होती है और विवाहित स्त्रियों के पति को दीर्घायु और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

राजस्थानी परम्परा के लोकोत्सव अपने में एक विरासत को संजोए हुए हैं। राजस्थान को देव भूमि कहा जाय तो गलत नहीं होगा। यहां सभी सम्प्रदाय फले फूले हैं। यहाँ के शासकों ने विश्व कल्याण की भवना से अभिभूत होकर लोक मान्यताओं का सम्मान किया है। इसी कारण यहां सभी देवी देवताओं के उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाये जाते हैं। गणगौर का उत्सव भी ऐसा ही लोकोत्सव है। जिसकी पृष्ठ भूमि पौराणिक है। समय के प्रभाव से उनमें शास्त्राचार के स्थान पर लोकाचार हावी हो गया है। परन्तु भाव भंगिमा में कोई कमी नहीं आई है।

गणगौर भी राजस्थान का ऐसा ही एक प्रमुख लोक पर्व है। लगातार 17 दिनों तक चलने वाला गणगौर का पर्व मूलत: कुंवारी लड़कियों व महिलाओं का त्यौंहार है। राजस्थान की महिलाएं चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हो गणगौर के पर्व को पूरी उत्साह के साथ मनाती है। विवाहिता एंव कुवारी सभी आयु वर्ग की महिलायें गणगौर की पूजा करती है। होली के दूसरे दिन से सोलह दिनों तक लड़कियां प्रतिदिन प्रात: काल ईसर-गणगौर को पूजती हैं। जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम वर्ष अपने पीहर जाकर गणगौर की पूजा करती है। इसी कारण इसे सुहागपर्व भी कहा जाता है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में गणगौर उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। सरकारी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश रहता है। ईसर और गणगौर की प्रतिमाओं की शोभायात्रा राजमहल से निकलती है। इनको देखने बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैनानी उमड़ते हैं। सभी उत्साह से भाग लेते हैं। इस उत्सव पर एकत्रित भीड़ जिस श्रद्धा एवं भक्ति के साथ धार्मिक अनुशासन में बंधी गणगौर की जय-जयकार करती हुई भारत की सांस्कृतिक परम्परा का निर्वाह करती है उसे देख कर अन्य धर्मावलम्बी भी इस संस्कृति के प्रति श्रद्धा भाव से ओतप्रोत हो जाते हैं। ढूंढाड़ की भांति ही मेवाड़, हाड़ौती, शेखावाटी सहित इस मरुधर प्रदेश के विशाल नगरों में ही नहीं बल्कि गांव-गांव में गणगौर पर्व मनाया जाता है एवं ईसर-गणगौर के गीतों से हर घर गुंजायमान रहता है।

कहा जाता है कि चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्यौहार मनाया जाता है। गणगौर व्रत गौरी तृतीया चैत्र शुक्ल तृतीया तिथि को किया जाता है। इस व्रत का राजस्थान में बड़ा महत्व है। कहते हैं इसी व्रत के दिन देवी पार्वती ने अपनी उंगली से रक्त निकालकर महिलाओं को सुहाग बांटा था। इसलिए महिलाएं इस दिन गणगौर की पूजा करती हैं। कामदेव मदन की पत्नी रति ने भगवान शंकर की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तथा उन्हीं के तीसरे नेत्र से भष्म हुए अपने पति को पुन: जीवन देने की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो भगवान शिव ने कामदेव को पुन: जीवित कर दिया तथा विष्णुलोक जाने का वरदान दिया। उसी की स्मृति में प्रतिवर्ष गणगौर का उत्सव मनाया जाता है। गणगौर पर्व पर विवाह के समस्त नेगचार व रस्में की जाती है।

होलिका दहन के दूसरे दिन गणगौर पूजने वाली लड़कियां होली दहन की राख लाकर उसके आठ पिण्ड बनाती हैं एवं आठ पिण्ड गोबर के बनाती हैं। उन्हें दूब पर रखकर प्रतिदिन पूजा करती हुई दीवार पर एक काजल व एक रोली की टिकी लगाती हैं। शीतलाष्टमी तक इन पिण्डों को पूजा जाता है। फिर मिट्टी से ईसर गणगौर की मूर्तियां बनाकर उन्हें पूजती हैं। लड़कियां प्रात: ब्रह्ममुहुर्त में गणगौर पूजते हुये गीत गाती हैं-

गौर ये गणगोर माता खोल किवाड़ी, छोरी खड़ी है तन पूजण वाली।

गीत गाने के बाद लड़कियां गणगौर की कहानी सुनती है। दोपहर को गणगौर के भोग लगाया जाता है तथा कुए से लाकर पानी पिलाया जाता है। लड़कियां कुए से ताजा पानी लेकर गीत गाती हुई आती हैं- म्हारी गौर तिसाई ओ राज घाट्यारी मुकुट करो, बीरमदासजी रो ईसर ओराज, घाटी री मुकुट करो, म्हारी गौरल न थोड़ो पानी पावो जी राज घाटीरी मुकुट करो। लड़कियां गीतों में गणगौर के प्यासी होने पर काफी चिन्तित लगती है एवं गणगौर को जल्दी से पानी पिलाना चाहती है। पानी पिलाने के बाद गणगौर को गेहूं चने से बनी घूघरी का प्रसाद लगाकर सबको बांटा जाता है और लड़कियां गीत गाती हैं।

इतिहास को छोड़ो.. भूगोल की चिंता करो..!

ओमप्रकाश मेहता

भारत के वरिष्ठ और बेबाक कवि इंदीवर ने लिखा था- ''इतिहास मुझे पसंद नही, इतिहास पढ़ाना बंद करो.. मानव इतना गिर सकता है, ये सबक सिखाना बंद करो..' उस विराट कवि की ये पंक्तियां आज भी भारत में अवतरित हो रही है। आज हमारे और हमारे देश के वर्तमान हालातों की किसी को भी चिंता नही है, सब बाबर-राणा-सांगा में खोए हुए है। अर्थात् जो इतिहास मौजूदा पीढ़ी को सबक लेने के लिए होता है, उस इतिहास व उसके पात्रों को आदर्श वर्तमान भूगोल की किसी को भी चिंता नही है। क्या हमारा देश अब पूर्णत: चिंता मुक्त हो गया है? जो उसे अपना इतिहास याद करने की फुरसत मिल गई, आज भी देश में गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार जैसे कई अहम् मुद्दें है, जिन पर ध्यान दिया जा सकता है। किंतु मौजूदा सोच के बारे में क्या कहा जाए? आज का चलन ही यह हो गया है कि खुद के बारे में कोई नही सोचता और दुनिया भर की चिंता करता रहता है, हम कहां है? किस स्थिति में है? आज की स्थिति का निदान क्या है? इन प्रश्नों के उत्तर खोजने की किसी को भी चिंता नही है, हमारे इतिहास पुरूषों पर बकवास करने का समय सभी के पास है। हाँ, यदि इन इतिहास पुरूषों के साथ घटी घटनाओं या उस समय की परिस्थिति से कुछ सबक लेने की लालसा होती तो बात अलग थी। लेकिन ऐसा कतई नहीं है, सिर्फ और सिर्फ ''किस्सा गोई'', इन्हें याद करने का आज इनका मक्सद क्या है? यह किसी के भी समझ में नही आ रहा है, आज मौजूदा पीढ़ी का हर वर्ग सिर्फ और सिर्फ मौजूदा माहौल से उस ऐतिहासिक माहौल की तुलना करने में ही व्यस्त है। अरे भाई, बहुत हो गया हमारा इतिहास अध्ययन अब इतिहास को छोड़कर मौजूदा भूगोल की भी खोज-खबर लो, आज सबसे पहले इस बात पर चिंतन जरूरी है कि प्रकृति हमेशा रूठी हुई है? हमने ऐसा कौन सा घौर अपराध किया है? जिसका दण्ड प्रकृति हमें दे रही है। आज हर कहीं भूकम्प है, तो कहीं अत्याधिक गर्मी या वर्षा, कहीं पहाड़ गिर रहे है तो कहीं जंगल आग के हवाले हो रहे है। आखिर यह प्राकृतिक प्रकोप की स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? प्रकृति आज हमसे इतनी नाराज क्यों है? इस मसले पर अब व्यापक रूप से आत्म चिंतन बहुत जरूरी है और यदि हम दोषी है तो उसे मानना भी जरूरी है। क्योंकि हमने अब तक प्रकृति का हर तरीके से दोहन करने में कोई कमीं नही की, हमने हर तरीके से बेशर्मी के साथ इसका दोहन किया है। इसलिए ये प्रकृति हमसे गंभीर रूप से नाराज है और उसने हमें दण्डित करना शुरू कर दिया है। प्रकृति और मानव के रिश्तों का यह मौजूदा स्वरूप दोनों के ही लिए चिंतनीय है। जब तक मानव और प्रकृति एक-दूसरे के मित्र बनकर नही रहेंगे तब तक संतुलन की स्थिति कैसे बनगी। जबकि आज की स्थिति में यह बेहद जरूरी है, दोनों को एक-दूसरे की चिंता करना जरूरी है, किंतु हमें उसकी फिक्र कहां है? हम तो हमारे इतिहास पुरूषों में खोये हुए है, कभी बाबर को कोसते है तो कभी राणा-सांगा को गालियां देते है? क्या मौजूदा हालातों में हमारी भूमिका ऐसी होनी चाहिए? इस मसले पर आज तक किसी ने भी चिंता की? आज की सबसे बड़ी विसंगति ही यही है कि हम अपनी स्वयं की चिंता छोड़ दुनियां भर की चिंताओं में शामिल हो जाते है? हम अपनी व अपने आसपास के साथ देश की स्थिति परिस्थिति पर ध्यान ही नही देते। क्या आज हमारे अपने हालात अच्छे है? क्या हम हर चिंता से मुक्त है? यदि ऐसा नही है तो फिर मौजूदा हालात बिगड़े हुए क्यों है? इसीलिए आज कवि इंदीवर जी व उनकी पंक्तियां याद आई, क्योंकि इतिहास सीखने के लिए होता है, दोहराने के लिए नहीं?

खास बात

आंदोलन से क्या हासिल हुआ किसानों को?

पंजाब की सरकार ने किसानों के आंदोलन को समाप्त करने के लिए सीधी कार्रवाई की। उनका डेरा-डंगल उठाकर फेंक दिया। 13 महीने से चल रहा शंभू और खनोरी बॉर्डर का आंदोलन एक झटके में समाप्त हो गया। इसके पहले भी तीन कानूनों को खत्म कराने के लिए किसानों ने लगभग 1 वर्ष का आंदोलन किया था। 700 से अधिक किसानों की मौत हुई थी। इसी बीच चुनाव आ गए। सरकार ने तीन कानूनों को लागू नहीं करने का भरोसा दिलाया। किसानो की मांग जल्द पूर्ण करने का आश्वासन दिया। सरकार का कोई भी आश्वासन आज दिन तक पूरा नहीं हुआ। सरकार किसानों से बातचीत भी नहीं करना चाहती है। लंबे समय तक चले किसान आंदोलन का यह हश्र होगा। यह किसानों ने नहीं सोचा था। किसान ठगे हुए महसूस कर रहे हैं। मांगों को मनवाने के लिए अब नई रणनीति तैयार करने में किसान लगे हैं। उसमें सफलता मिलेगी या नहीं मिलेगी, यह कहना बड़ा मुश्किल है। किसानों का नेतृत्व ही दलाल है। यह किसान समझने लगे हैं। अत: अब नए तरीके का आंदोलन होगा।

संसद में घिरे ओम बिरला, अध्यक्ष नहीं समय बलवान

पिछले दो कार्यकाल में केंद्र सरकार के पास स्पष्ट बहुमत था। सदन के अंदर विपक्ष बहुत कमजोर था। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा सदन की कार्रवाई मनमाने तरीके से संचालित की जा रही थी। विपक्ष कुछ कर नहीं पा रहा था। बिना चर्चा बिल सदन मे पास हो रहे थे। सैकड़ो सांसदों को एक झटके से संसद से निकाल दिया था। तीसरी बार में स्पष्ट बहुमत नहीं आया। लोकसभा अध्यक्ष को सदन चलाने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बिरला आसंदी की इज्जत बचाकर नहीं रख पा रहे हैं। निष्पक्षता के लिए विपक्षी सदस्य अध्यक्ष को निशाने पर ले रहे हैं। अब चाहकर भी ओम बिरला और सरकार कोई कार्यवाही विपक्षी सदस्यों पर नहीं कर पा रही है। अब तो मुंह दिखाने की जगह मुंह छुपाना पड़ रहा है। राहुल गांधी और विपक्ष तथ्यों के साथ आक्रमक है। कैमरा और माइक लोकसभा अध्यक्ष और सरकार का साथ नहीं दे रहा है। समय बदलता है, तो सब कुछ बदल जाता है। सरकार को भी अब समझ आने लगा है, समय बलवान है, व्यक्ति नहीं।

भारत कोई धर्मशाला नहीं, इमीग्रेशन बिल पास

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने विदेशी घुसपैठ को रोकने के लिए कह दिया। भारत कोई धर्मशाला नहीं है। भारत में आने वाले अब हर विदेशी की जानकारी रखी जाएगी। पश्चिम बंगाल की सरकार को भी उन्होंने बंगालियों के नाम पर घेर लिया। अगले साल बंगाल विधानसभा के चुनाव होना है। तैयारी अभी से शुरू हो गई है। गृह मंत्री के इरादों को लेकर विपक्ष ने निशाना साधा, विपक्ष ने विरोध किया। बहुमत के आधार पर बिल पास हो गया। अमेरिका ने जिस तरह से भारत के अवैध प्रवासियों को हथकड़ी और वेडियों में जकड़ कर भारत भेजा था। उसके बाद भारत सरकार को अपनी इज्जत बचाए रखने के लिए इतना तो करना ही था। गृहमंत्री ने 1920 1930 और 1946 के कानूनो का हवाला देते हुए, इसी बहाने अपनी लाज बचा ली है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि दोइज, सोमवासरे, अश्वनी नक्षत्रे, वैश्य योगे, कौलव करणे, मेष की चंद्रमा, सव्याल मास, 10 मु. मूल समाप्त दिन के 4/24 पंचक समाप्त सांय 6/40 तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ व उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, दार्शनिक, चपल, चंचल, उद्यमी, शिक्षक-शिक्षाविद्, नौकरी करने वाला, पटवारी, माईनिंग का व्यापारी, कुशल शासक-प्रशासक, उद्योगपति, धनी होगा।

मेष राशि- अपने आप पर नियंत्रण रखें, चिन्ता विभ्रम तथा अशांति से बचें, रुके कार्य बनेंगे।

वृष राशि- कोई शुभ समाचार हर्षप्रद रखे, थकावट बेचैनी तथा धन का व्यय अवश्य होगा।

मिथुन राशि- शुभ समाचार से हर्ष तो होगा किन्तु भावना उत्तेजित होगी, मानसिक कष्ट होगा।

कर्क राशि- दैनिक कार्यवृत्ति में सुधार हो एवं कार्य योजनाएं फलीभूत होगी, भिन्न-मिलन।

सिंह राशि- असमंजस क्लेशप्रद रखें, झूठे आश्वासन पर विश्वास न करें, समय का ध्यान रखें।

कन्या राशि- दैनिक व्यवसाय गति अनुकूल, स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास, लाभ होगा, ध्यान रखें।

तुला राशि- समय पर सोचे हुए कार्य पूर्ण होंगे, बौद्धिक विकास की क्षमता में वृद्धि अवश्य होगी।

वृश्चिक राशि- अनायास तनाव-क्लेश, अशांति, उपद्रव, विरोधी से विवादास्पद स्थिति बनेगी।

धनु राशि- समय की अनुकूलता से लाभांवित होंगे, शुभ समाचारों के मिलने से खुशी होगी।

मकर राशि- स्त्री शरीर कष्ट होगा, कुटुम्ब में सुखवर्धन के योग बनेंगे, सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुंभ राशि- कार्यकुशलता से संतोष, परेशानी व चिन्ताजनक स्थिति बनेगी, ध्यान रखें।

मीन राशि- स्थिति में सुधार होगा, व्यवसाय अनुकूल, अधिकारी सहयोग करें।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

31 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

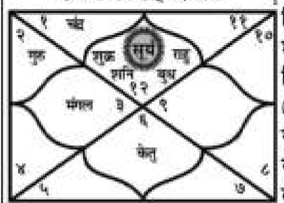

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.39 बजे से
चंद्र	मेष में	वृष	08.19 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.17 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.30 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.47 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.58 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.09 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.24 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.40 बजे से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	मकर	01.45 बजे से
		कुंभ	03.31 बजे से
		मीन	05.04 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 90 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 09.12 बजे तदनन्तर तृतीया 05.43 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 13.45 बजे को समाप्त। **योग** वैधृति 13.46 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 09.12 बजे, तैतिल 19.26 बजे तदनन्तर गर 05.43 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 01.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 04° 10' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872300 **जूलियन दिन** 2460765.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सव्वाल **तारीख** 01 **विशेष** झूलेलाल जयंती, गौरी पूजा, गणगौर, मत्स्य जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बचपन

बायां कान छू लिया तो हो गया एडमिशन

बहुत साल पहले की बात है। उस समय में जन्मदिन तिथियों के तौर पर याद रखे जाते थे। तिथियां बदलती थीं तो बच्चे की ठीक-ठीक आयु बता पाना मुश्किल होता था। अब स्कूल कब भेजें, किस उम्र में, यह सवाल उठा, तो हमारे ज्ञानी गुरुजनों ने इसका एक तरीका निकाला। स्कूल में दाखिले के समय बच्चे से कहा जाता कि अपने दाएं हाथ को सिर के ऊपर से ले जाते हुए बायां कान छुओ। अगर बच्चा ऐसा कर पाता तो उसे दाखिला मिल जाता। यह मामूली टेस्ट नहीं है। समझदारी का बिलकुल सरल परीक्षण है।

बच्चे की समझ और उसके शरीर व मस्तिष्क की परिपक्वता को देखते हुए ही उसका किसी स्कूल में दाखिला कराया जाता था। समझ को देखते हुए विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग क्लासेस होती हैं। केजी 1, केजी 2, फिर पहली कक्षा और इसी तरह दूसरी, तीसरी और आगे की तमाम कक्षाएं।

दरअसल, कक्षाओं पर आधारित शिक्षा का मकसद होता है कि विद्यार्थी जो भी सीखें उसे एक सिलसिलेवार तरीके से सीखें। अलग-अलग कक्षा के होने से हमें उसी के अनुरूप या फिर यूं कहें कि समकक्ष संगी-साथी मिलते हैं। सोचो, अगर आपको पहली कक्षा में न बैठाकर सीधे आठवीं या दसवीं कक्षा के विद्यार्थी के साथ बैठा दिया जाए तो कैसा लगेगा? विभिन्न कक्षाओं के होने से कोई भी बच्चा क्रमश धीरे-धीरे चीजों को सीखता है। कक्षाएं होने से विद्यार्थी की समझने की क्षमता के अनुरूप ही विषय सामग्री बनाई जाती है, ताकि उस विषय सामग्री यानी किताबें, कोर्स आदि उस दरे के बच्चे को समझने में दिक्कत न करें। कक्षाओं के होने से आपको एक फायदा भी है। आपके पड़ोस में रह रहे राहुल को भी वहीं चीजो पढ़नी होती हैं। भले ही वो आपसे पढ़ने में कितना ही तेजी से क्यों न हो। इस तरह आप अपनी ही आयु के अन्य बच्चों से काफी कुछ सीख भी सकते हैं। अपनी ही आयु के बच्चों के साथ एक क्लास में बैठने से खुद को सहज भी महसूस करते हैं। यानि क्लास रूम वो स्थान है जहां सभी एक आयु के, एक-सा कोर्स पढ़ने वाले और एक सी ही परीक्षा देने वाले, कोई बड़ा-छोटा नहीं, कोई भेदभाव नहीं।

पेड़ पौधे भी देते हैं सीख

प्रकृति में पेड़-पौधे, सूरज, हवा, हिमकण और सितारें सब शामिल हैं। ये सभी हमें जीवन देते हैं। इनका वजूद हम सबके अस्तित्व के लिए बहुत जरूरी है। इस बात से तो आप भी इत्तेफाक रखते ही होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये भी हमें बहुत कुछ सिखाते हैं। बिना कुछ कहे ही ये हमें सब कुछ बताते हैं बस जरूरत है तो उन्हें समझने की।

धरती को हरी-भरी बनाने के साथ हमें ऑक्सीजन की सौगात देते हैं, जिसे हम प्राणवायु कहते हैं।

पेड़-पौधे अपने भोजन की स्वयं ही व्यवस्था करते हैं। मिट्टी से पोषक तत्व और पानी को सोखते हैं और फिर सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा लेकर, भोजन बनाते हैं। आप इनसे आत्मनिर्भर बनने की सीख ले सकते हैं। पेड़ की छांव तेज धूप में आपको शीतलता प्रदान करती है। वहीं इसके फल बहुत मीठे और रसीले होते हैं। पेड़ के फल तो आपके और हमारे लिए ही होते हैं। इस तरह से ये हमें सुरक्षा और परोपकार की सीख देते हैं।

इनकी सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि ये चाहें कैसे भी टेढ़े-मेढ़े हों, दूसरे पेड़ ही तरह नहीं बनने की कोशिश करते। यानी इन्हें खुद पर और अपनी काबलियत पर नाज होता है। यानि आप जो भी हो जैसे भी हो, वही रहना चाहिए। आत्मविश्वास से भरपूर बने रहना चाहिए। ये कुछ भी बर्बाद नहीं करते, अपने पोषक तत्वों को धरती से सोख लेते हैं। समय को बिना गंवाए अपने विकास के लिए लगातार लगे रहते हैं। पेड़ो से आप ये चार चीजें और भी सीख सकते हैं। ऑक्सीजन आपको जीवन देती हैं परन्तु यदि आपमें आत्मनिर्भता, सुरक्षा जैसे गुण आ जाएं तो आप अपने जीवन को सफल बना सकते हैं।

पहेलियां

1. मूझमें भार सदा ही रहता
   जगह घेरना मुझको आता
   हर वस्तु से गहरा रिश्ता
   हर जगह मैं पाया जाता।
2. ऊपर से नीचे बहता हूं
   हर बर्तन को अपनाता हूं
   देखो मुझको गिरा न देना
   वरना कठिन हो जाएगा
   भरना।
3. लोहा खींचू ऐसी ताकत है
   पर रबड़ मुझे हराता है
   खोई सूई में पा लेता हूं
   मेरा खेल निराला है।

उत्तर

1. गैस, 2. द्रव्य, 3. कांच

जैरी भाग, टॉम आया, टॉम बच, जैरी आया

टॉम हो या जैरी, दोनों एक-दूसरे के पीछे पड़े रहते हैं। दोनों किसी का कुछ बिगाड़ना नहीं चाहते, बस, छीनना चाहते हैं, तो एक-दूजे का सुकून। यानि बस तंग करना ही मकसद है। इनके खेल बड़े मज़ेदार होते हैं।

आपको भी पंसद हैं न। तो चलिए, कुछ जानते हैं इनके बारे में –

गर्मी के दिन थे। जैरी अपने घर में चादर ओढ़े आराम से सो रहा था। तभी उसके नाक में पनीर की खुशबू ने प्रवेश किया। पनीर उसे बहुत पसंद था, वह पलंग से उछल पड़ा और उस दिशा में चल पड़ा, जहां से खुशबू आ रही थी। अपने घर के छोटे-से दरवाजे से निकलते ही उसे सामने पनीर का एक बड़ा टुकड़ा दिखाई दिया। वह खुशी से उछल पड़ा, हुरर्र्..। उसके मुंह से लार टपकने लगी। जैसे ही उसने टुकड़े की ओर हाथ बढ़ाया, वैसे ही पीछे से टॉम ने उसे पकड़ लिया। जैरी समझ गया था कि टॉम ने ही उसे पनीर का लालच देकर फंसाया है। टॉम ने जैसे ही जैरी को खाने के लिए अपना मुंह खोला, जैरी ने उसके मूंछों के बालों को ज़ोर से खींच दिया। दर्द के कारण जैरी के हाथों से टॉम छूट गया। जैरी भागा और टॉम भी उसके पीछ-पीछे भागा। इस तरह फिर से शुरू हो गया चूहे-बिल्ली का वह खेल, जिसके करोड़ो बच्चे दीवाने हैं।

टॉम एंड जैरी का जन्म

जोसफ बारबेरा बैंकिंग हमेशा कागज़ों पर आड़ी-तिरछी लकीरें खींचकर लोगों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश किया करते थे। हालांकि, उनका मकसद बैंकिंग के क्षेत्र में काम करने का था लेकिन उनको काटरून बनाने का भी काफी शौक था। उनके काटरून जल्द ही पत्र-पत्रिकाओं में छपने भी लगे। 1930 के दशक के आखिरी में मैट्रो गोल्डवेन मेयर फिल्म स्टूडियो में उनकी मुलाकात हाना से हुई। इसी मुलाकात में दोनों ने एक ऐसा कार्टून सीरियल बनाने का सोचा, जो एक घरेलू बिल्ली और एक चूहे के बीच लगातार चलने वाली दुश्मनी पर केन्द्रित हो। इसी सोच के साथ उन्होंने टॉम एंड जैरी काटरून पात्रों को छोटे पर्दे पर साकार किया।

जोसेफ-हाना की जोड़ी ने 17 साल के सफर में टॉम एंड जैरी सीरीज़ के लिए सात ऑस्कर पुरस्कार हासिल किए और कुल 14 बार इन्हें पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया।

मज़ेदार है चूहे-बिल्ली की यह खेल

एक शरारती चूहा और एक खुराफाती बिल्ली, अगर एक ही घर में हों, तो दिलचस्प घटनाओं की भरमार हो जाती है। टॉम एंड जैरी के द्वारा एक दूसरे का पीछा करने और आपसी लड़ाई में हास्यास्पद भिड़ंत शामिल है। इसी कारण 70 सालों से लेकर आज तक यह दुनियाभर में न केवल बच्चों द्वारा बल्कि उनके अभिभावकों द्वारा भी पसंद किया जाता है। भारत में इसकी लोकप्रियता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि टॉम एंड जैरी के कार्यम हिंदी के साथ ही अंग्रेजी, तमिल और तेलुगू भाषाओं में भी प्रसारित किए जाते हैं।

आखिर यह भाग-दौड़ क्यों?

प्रत्येक कार्टून फिल्म की कहानी आमतौर पर जैरी को पकड़ने के लिए टॉम के अनगिनत प्रयासों और उसके कारण हुई हाथापाई और दौड़ा-भागी पर आधारित होती है। इनको देखकर यह समझना मुश्किल है कि आखिर ?यों टॉम, जैरी का इतना अधिक पीछा करता है। काटरून को देखकर जो अंदाज़ा लगाया जा सकता है, उसके हिसाब से कुछ कारणों में एक बिल्ली का एक चूहे के साथ बैर, अपने मालिक के आदेश का पालन, टॉम को सौंपे गए कार्यों को जैरी द्वारा बिगाड़ने की कोशिश, जैरी द्वारा टॉम के मालिक का भोजन खा जाना, जिसकी निगरानी का जिम्मा टॉम को सौंपा गया है, दूसरे को चिढ़ाने की भावना, जेरी द्वारा टॉम के अन्य संभावित शिकारों (जैसे कि बतख, चिड़िया या मछली) को खाए जाने से बचाना, दूसरी बिल्ली से प्रतिस्पर्धा आदि शामिल हैं।

थोड़ी तकरार-थोड़ा प्यार

ऐसा नहीं है कि यह जोड़ी हमेशा लड़ाई ही करती रहती है, कभी-कभी ये दोनों वास्तव में एक-दूसरे के साथ अच्छी तरह व्यवहार करते भी दिखाई देते हैं। 'जैरी एंड द लॉयन' में जब जेरी को एक शरारत सूझती है और वह मरने का नाटक करने लगता है, जिससे कि टॉम यह सोचे कि उसने जैरी को गोली मार दी है। जैरी को लेटा देखकर टॉम प्राथमिक चिकित्सा किट लेकर दौड़ता हुआ आता है। इससे पता चलता है कि टॉम और जैरी में तकरार के बाद भी प्यार छिपा हुआ है। साथ ही दिलचस्प बात यह है कि कई सारे चित्रों में भी टॉम तथा जैरी एक दूसरे पर मुस्कुराते हुए दिखाए गए हैं, जो प्रत्येक काटरून में दूसरे पर प्रदर्शित अत्यधिक झुंझलाहट के बजाय प्यार-तकरार का रिश्ता अंकित करता है।

जैरी की चालाकी और किस्मत की वजह से टॉम शायद ही कभी जैरी को पकड़ने में सफल हो पाएगा, लेकिन इतना तो अवश्य है कि इन दोनों के दौड़-भाग का यह खेल हमेशा लोगों को गुदगुदाता रहेगा।

टॉम एंड जेरी कौन हैं?

टॉम का असली नाम थॉमस है, जो कि नीली-स्लेटी आंखों वाला ब्रिटिश घरेलू बिल्ला है। जैरी भूरे रंग का छोटा-सा चूहा है। शुरुआती कहानियों में टॉम का नाम जैस्पर और जैरी का जिंक्स था। टॉम को गुस्सा जल्दी आता है, जबकि जैरी अवसरवादी और खुशदिल है। वैसे तो कहा जाता है कि बिल्लियां बड़ी चालाक होती हैं, लेकिन टॉम और जैरी की कहानी में टॉम की हर फुर्ती को जैरी का दिमाग बड़ी आसानी से हरा देता है। हालांकि, हर कहानी में जीत जैरी की होती है लेकिन कहीं अगर जैरी अपनी सीमाएं तोड़ देता है, या कहीं किसी बुराई का साथ दे बैठता है, तो टॉम की विजय भी होती दिखाई देती है।

मनोविज्ञानी कहीं-कहीं इस चूहे-बिल्ली की कहानी को महज़ शरारत नहीं मानते। यह दूसरे को नुकसान पहुंचाने की कहानी भी बन जाती है। उनका कहना है कि बच्चों को सिर्फ शो का मज़ा लेना चाहिए। किसी भी तरह से ऐसे खेलों को अपने दोस्तों या बच्चों के साथ नहीं खेलना चाहिए। टॉम एंड जैरी के खेल काल्पनिक हैं, इनकी नकल करना घातक हो सकता है।

जाने डॉल्फिन के बारे में

डॉल्फिन को हम अक्सर मछली कहते है परन्तु वास्तव में डॉल्फिन एक मछली नहीं है। वह तो एक स्तनधारी प्राणी है। जिस तरह व्हेल एक स्तनधारी प्राणी है वैसे ही डॉल्फिन भी इसी कैटेगरी में आती है। यह एक छोटी व्हेल की ही तरह है। डॉल्फिन का रहने का ठिकाना संसार के समुद्र और नदियां हैं।

डॉल्फिन को अकेले रहना पसंद नहीं है यह सामान्यतः समूह में रहना पसंद करती है। इनके एक समूह में 10 से 12 सदस्य होते हैं। हमारे भारत में डॉल्फिन गंगा नदी में पाई जाती है लेकिन गंगा नदी में मौजूद डॉल्फिन अब विलुप्ति की कगार पर है। डॉल्फिन की एक बड़ी खासियत यह है कि यह कंपन वाली आवाज निकालती है जो किसी भी चीज से टकराकर वापस डॉल्फिन के पास आ जाती है।

इससे डॉल्फिन को पता चल जाता है कि शिकार कितना बड़ा और कितने करीब है। डॉल्फिन आवाज और सीटियों के द्वारा एक दूसरे से बात करती हैं। यह 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तैर सकती है। डॉल्फिन 10-15 मिनट तक पानी के अंदर रह सकती है लेकिन वह पानी के अंदर सांस नहीं ले सकती। उसे सांस लेने के लिए पानी की सतह पर आना पड़ता है।

संक्षिप्त समाचार

जिला कठुआ में ताइक्कांडो चैंपियनशिप 2024-2025 का हुआ समापन

कठुआ। जम्मू-कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल और जेके ताइक्कांडो एसोसिएशन के तत्वावधान में जिला कठुआ ताइक्कांडो एसोसिएशन कठुआ द्वारा जिला खेल स्टेडियम कठुआ में दो दिवसीय चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था जिसका रविवार को समापन हुआ। चैंपियनशिप में लगभग 100 ताइक्कांडो एथलीटों ने भाग लिया। जेएंडके ताइक्कांडो एसोसिएशन के तहत रविवार को कठुआ जिला ताइक्कांडो चैंपियनशिप के समापन काफी रोमांचित रहा। इस चैंपियनशिप ने जिले के खिलाड़ियों की प्रतिभा को प्रदर्शित किया और खिलाड़ियों को चमकने के लिए एक रोमांचक मंच प्रदान किया। प्रथम स्थान विशेष ठाकुर के मार्गदर्शन में खेलो इंडिया ताइक्कांडो सेंटर कठुआ को मिला और साई इंटरनेशनल दूसरे स्थान पर रहा। चैंपियनशिप का समापन विशेष अतिथि रवि सिंह अंदोत्रा भाजपा मंडल प्रधान (नगरी) द्वारा पुरस्कार वितरित कर किया गया। वहीं पंकज सपोलिया, गुरशरण, हजारा सिंह, गोपाल और आयोजक सचिव पुष्प ठाकुर सहित सहायक टीम और तकनीकी अधिकारियों की मदद से चैंपियनशिप में बड़ी सफलता मिली।

वाराणसी के रोशन मौर्य ने 10 दिन में जीते तीन पदक

वाराणसी। वाराणसी के सारनाथ के पास रहने वाले रोशन मौर्य ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा की चमक बिखेरी है। मात्र 10 दिनों में उन्होंने तीन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया है। रोशन, काशी विद्यापीठ के छात्र होने के साथ-साथ कराटे के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने इससे पहले भी कई पदक जीतकर अपने परिवार और शहर का नाम रोशन किया है। रोशन मौर्य ने हाल ही में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय क्वान की-डो प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर अपनी सफलता की शुरुआत की। यह प्रतियोगिता 18 से 20 मार्च तक राजस्थान के जे.जे. विश्वविद्यालय में आयोजित हुई थी, जिसमें उन्होंने पुरुष 61 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया। इसके तुरंत बाद, उन्होंने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भी अपना दमखम दिखाया। यह प्रतियोगिता 21 से 25 मार्च तक उत्तर प्रदेश के मेरठ में स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय में आयोजित हुई थी। इस प्रतियोगिता में उन्होंने पुरुष 63 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर काशी विद्यापीठ का नाम रोशन किया। हैदराबाद में जीता तीसरा राष्ट्रीय पदक- मेरठ में पदक जीतने के बाद रोशन सीधे हैदराबाद पहुंचे, जहां उन्होंने केआईओ राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

आईपीएल 2025 सीजन का 10वां मुकाबला

दिल्ली कैपिटल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हराया

विशाखापत्तनम ■ एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन का 10वां मुकाबला रविवार को दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला गया। विशाखापत्तनम के डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में हुए मैच में दिल्ली की टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हरा दिया। आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स की यह लगातार दूसरी जीत है, जबकि हैदराबाद की टीम पहला मैच जीतने के बाद लगातार दूसरे मैच में हारी है।

मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 163 रन बनाए। टीम के बल्लेबाज पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाए और टीम 18.4 ओवर में ऑलआउट हो गई। इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 16 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 166 रन बनाते हुए 7 विकेट से जीत दर्ज की। दिल्ली की टीम 2 मैचों में 2 जीत के साथ अंक तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है, जबकि हैदराबाद की टीम 3 मैचों में एक जीत और दो हार के साथ छठे नंबर पर खिसक गई है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने अच्छी शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस और जैक फ्रेजर मैकगर्क ने शानदार बल्लेबाजी की। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 81 रनों की साझेदारी की। इस दौरान डुप्लेसिस ने अपना अर्धशतक भी पूरा किया। पचासा जड़ने के बाद अगले ओवर में डुप्लेसिस आउट हो गए। उन्होंने 27 गेंदों में 3 चौके और इतने ही छक्कों की मदद से 50 रनों की पारी खेली। दिल्ली का पहला विकेट गिरने के बाद अगले दो विकेट भी जल्द गिर गए। मैकगर्क 32 गेंदों में 38 रन और केएल राहुल 15 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अभिषेक पोरेल और ट्रिस्टन स्टब्स ने मोर्चा संभाला और टीम को जीत दिला दी। पोरेल ने 18 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 34 रन और स्टब्स ने 14 गेंदों में नाबाद 21 रन बनाए।

इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद ने बल्लेबाजी करते हुए 163 रन बनाए थे। टीम के बल्लेबाज पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाए और टीम 18.4 ओवर में 163 रन पर ढेर हो गई। हैदरबाद की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने पावरप्ले के दौरान ही चार विकेट खो दिए। अभिषेक वर्मा एक रन और ईशान किशन 2 रन बना सके। नीतीश कुमार रेड्डी बिना खाता खोले आउट हो गए, जबकि ट्रेविस हेड ने 12 गेंदों में 22 रन बनाए। इसके बाद युवा खिलाड़ी अनिकेत वर्मा और हेनरिच क्लासेन ने मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने मिलकर टीम के स्कोर को 100 के पार पहुंचाया। हैदराबाद का पांचवां विकेट क्लासेन के रूप में गिरा। उन्होंने 19 गेंदों में 32 रन बनाए। यहां से सनराइजर्स की बल्लेबाजी फिर लड़खड़ा गई और लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे। दूसरे छोर से अनिकेत जरूर पारी को आगे बढ़ाते रहे लेकिन वह भी 74 रनों की बेहतरीन पारी खेलकर पवेलियन लौट गए। उन्होंने अपनी पारी में 41 गेंदों का सामना किया और 5 चौके और 6 छक्के लगाए। अनिकेत की पारी का अंत होने के बाद टीम पूरे ओवर भी नहीं खेल पाई और 18.4 ओवर में 163 रन पर सिमट गई। पैट कमिंस 2 रन, अभिनव मनोहर 4 रन, हर्षल पटेल 5 रन, वियान मुल्डर ने 9 रन बनाए।

विदेशी खिलाड़ियों को जीआई-पीकेएल में अपनी प्रतिभा दिखाते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं : कार्तिक डम्मू

GI-PKL
KABADDI KI NAYI JUNG!!

गुरुग्राम ■ एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय कबड्डी सितारे ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) में भाग लेने के लिए उत्साहित हैं। यह बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट 18 अप्रैल से गुरुग्राम में शुरू होने वाला है। पहले सीजन में 12 टीमें (6 पुरुष और 6 महिला टीमें) हिस्सा ले रही हैं। जीआई-पीकेएल के संस्थापक कार्तिक डम्मू ने एक बयान में कहा कि मैं विदेशी खिलाड़ियों को ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग में अपनी प्रतिभा दिखाते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं।

कबड्डी एक ऐसा खेल है जिसकी जड़ें भारत में हर जगह फैली हुई हैं और इसे वैश्विक स्तर पर फैलते देखना काफी रोमांचक करने वाला है। विभिन्न देशों के एथलीटों के प्रतिस्पर्धा करने से न केवल खेल की तीव्रता बढ़ेगी, बल्कि खेल में नई शैलियां और रणनीतियां भी आएंगी। यह लीग वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय कबड्डी अनुभव की शुरुआत है और मैं इसे देखने के लिए उत्साहित हूं। आईपीकेएल के संस्थापक सोहन तुसीर ने खिलाड़ियों की गुणवत्ता को लेकर भरोसा जताते हुए कहा कि यह लीग दुनियाभर में कबड्डी के नए उभरते सितारों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी और उन प्रतिभाओं को एक बड़ा मंच देगी जो इस मौके का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान जीआई-पीकेएल ने अपनी चैंपियनशिप ट्रॉफी का अनावरण किया था।

महिला टीमें: हरियाणवी ईगल्स, भोजपुरी लेपर्डेस, मराठी फाल्कन्स, पंजाबी टाइग्रेस, तेलुगु चीतास, तमिल लायनेस।

पुरुष टीमें: भोजपुरी लेपर्ड्स, हरियाणवी शार्क्स, मराठी वल्चर्स, पंजाबी टाइगर्स, तमिल लायंस, तेलुगु पैंथर्स।

बिहार के सब्जी विक्रेता के बेटे ने अपना ही नेशनल रिकार्ड तोड़ केआईपीजी 2025 में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली ■ एजेंसी

बिहार के हरनौत के एक सब्जी विक्रेता के होनहार बेटे झंडू कुमार ने अपना ही नेशनल रिकार्ड तोड़कर यहां जारी खेलो इंडिया पैरा गेम्स (केआईपीजी) 2025 में स्वर्ण पदक जीता है। केआईपीजी के पहले संस्करण में रजत पदक जीतने वाले झंडू कुमार ने अपना खेल करियर हरनौत से ही शुरू किया था और एक रोचक लेकिन संघर्ष भरे सफर के बाद वह गांधीनगर स्थित साई एनसीई पहुंचे और फिर मशहूर पैरा कोच राजिंदर सिंह रहेलू की देखरेख में अपनी प्रतिभा की चमक दिखानी शुरू कर दी।

28 साल के झंडू कुमार के दोनों पैर जन्म से ही पोलियोग्रस्त हैं। उन्होंने रविवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर में स्थित वेटलिफ्टिंग हाल में 72 किग्रा कटेगरी में 206 किग्रा वजन के साथ अपना ही नेशनल रिकार्ड तोड़ा। इससे पहले उन्होंने नोएडा में 17-18 मार्च को आयोजित पैरा नेशनल चैंपियनशिप में 205 किग्रा वजन के साथ हरियाणा के सुधीर कुमार का 192 किग्रा का नेशनल रिकार्ड तोड़ा था।

झंडू कुमार 2017 से पहली बार खेलों में आए। शुरुआत में शाटपुट और डिस्कस थ्रो करते थे। साथ ही वह पावरलिफ्टिंग भी करते थे। तब तक उनको पैरा पावरलिफ्टिंग के बारे में पता नहीं था। एफ-55 कटेगरी में उन्होंने शाटपुट और डिस्क्स थ्रो में कई इवेंट्स में हिस्सा लिया और सफलता भी अर्जित की लेकिन उनकी मंजिल कहीं और थी, लिहाजा किस्मत उन्हें उस ओर ले गई।

उन्होंने साई मीडिया से बातचीत में कहा कि जिला और राज्य स्तर पर शाटपुट और डिस्कस थ्रो में हिस्सा लिया और हर बार स्वर्ण पदक मिला। शुरुआत से उन्हें जिम का शौक था। पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में आयोजित राज्यस्तरीय चैंपियनशिप के दौरान किसी ने उन्हें पावरलिफ्टिंग में हाथ आजमाने के लिए कहा। इसके बाद उन्होंने पावरलिफ्टिंग में एबल बाडी आयोजनों में भी हिस्सा लिया।

खिलाड़ी ने कहा कि तब तक मुझे पैरा पावरलिफ्टिंग के बारे में पता नहीं था। फिर अपने बचपन के कोच गौतम सिंह (जो हरनौत में द राकस्टार जिम चलाते हैं) के कहने पर 2022 में ही कोलकाता में मैंने अपना पहला पैरा पावरलिफ्टिंग इवेंट खेला। वहां मैंने 65 किग्रा कटेगरी में 135 किग्रा वजन के साथ रजत पदक जीता था। उन्होंने कहा कि कोलकाता के बाद मैं किसी और चीज के बारे में सोचता ही नहीं था। इसी साल मैंने नई दिल्ली में आयोजित नेशनल चैंपियनशिप में हिस्सा लिया लेकिन वहां मेरा एक भी लिफ्ट सही नहीं गया। यही वह इवेंट था, जिसमें रहेलू सर ने मुझे देखा था और कहा था कि मैं जल्द ही तुमको गांधीनगर बुलाऊंगा।

वह बताते हैं कि देश के लिए 2004 एथेंस पैरालंपिक में पैरा पावरलिफ्टिंग में कांस्य पदक जीतने वाले कोच रहेलू ने अपना वादा निभाया और 15 दिन के अंदर उन्हें गांधीनगर बुला लिया। पहली बार गांधीनगर पहुंचने पर हुए अनुभव पर झंडू कुमार ने कहा, मुझे लगा कि यह अलग ही दुनिया है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की नई टैक्स नीति से वैश्विक बाजारों पर पड़ेगा बुरा प्रभाव

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल को एक नई टैक्स नीति की घोषणा करने की संभावना जताई है, जिससे कि वैश्विक व्यापार और बाजारों में अस्थिरता आ सकती है। यह नीति अमेरिका के घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखती है, लेकिन इससे बहुदेशी व्यापारिक संबंध प्रभावित हो सकते हैं। ट्रंप की योजना के अनुसार अमेरिका के कुछ विशेष व्यापारिक साथियों पर नए टैक्स लगाने की संभावना है, जो अमेरिका के साथ अधिक निर्यात करते हैं। इस निर्णय का असर भारत और अन्य कई देशों पर हो सकता है। भारत अमेरिका का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और अगर इसे नए टैक्स का सामना करना पड़ा, तो इसका निर्यात पर प्रभाव हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की अर्थव्यवस्था अधिकतर घरेलू मांग पर निर्भर है, तो इसका दीर्घकालिक प्रभाव सीमित रहेगा। अमेरिका भारत को हर साल करीब 8 अरब डॉलर के औषधियाँ और 1.5 अरब डॉलर के ऑटो पार्ट्स भेजता है। यदि इस पर अतिरिक्त टैक्स लगा दिया जाता है, तो भारतीय फार्मा और ऑटो कंपनियों को इसका असर महसूस हो सकता है। इस निर्णय से यूरोपियन यूनियन, कनाडा, जापान और मैक्सिको भी प्रभावित हो सकते हैं, जिससे ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में आपूर्ति समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। भारत पर भी इसका असर होने की आशंका है, क्योंकि अमेरिका ने पहले ही ऑटो पार्ट्स पर 25 फीसदी टैक्स लगाने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, अन्य क्षेत्रों में भी असर पड़ सकता है। इससे शेयर बाजार में हलचल देखने को मिली है।

भारत में जर्मनी की कंपनी करेगी 1.5 बिलियन डॉलर का निवेश, जमीन की चिह्नित

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि जर्मनी की एक रसायन क्षेत्र की कंपनी ने भारत में 1.5 बिलियन डॉलर (लगभग 150 करोड़ डॉलर) का निवेश करने का फैसला किया है। साथ ही एक राज्य ने इसके लिए जमीन भी चिह्नित कर ली गई है। हालांकि मंत्री ने कंपनी का नाम या राज्य का नाम नहीं बताया, लेकिन उन्होंने कहा कि कंपनी का प्रमुख जल्द राज्य के मुख्यमंत्री से मिलने वाला है। गोयल ने यूनियन इंटरनेशनेल डेस एवोकेट्स के एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि जमीन का आवंटन उसके हाथ में होगा और हमारे देश में अगले 12 महीनों में डेढ़ बिलियन डॉलर का विदेशी प्रत्यक्ष निवेश आएगा। कंपनी एक ऐसी जमीन की तलाश में है, जो लगभग 250 एकड़ की हो और किसी बंदरगाह के पास हो। जर्मनी भारत में नौवां सबसे बड़ा निवेशक देश है। अप्रैल 2000 से दिसंबर 2024 के बीच देश को लगभग 15 बिलियन डॉलर का विदेशी प्रत्यक्ष निवेशमिला है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक कंपनियां भारत में व्यापार के अवसरों को तलाशने के लिए आ रही हैं।

टॉप 10 में शामिल देश की 8 कंपनियों के मार्केट कैप में 88 हजार करोड़ की बढ़ोतरी

-एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा फायदा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार में पिछले सोमवार से शुक्रवार के कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में 88 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हुई। इनमें सबसे अधिक फायदा एचडीएफसी बैंक को हुआ। इसके अलावा टॉप 10 में शामिल 2 कंपनियों के मार्केट कैप में इस सप्ताह 11 हजार करोड़ रुपये की गिरावट हो गई।

इस सप्ताह के कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, हिन्दुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी के मार्केट कैप में कुल 88,085.89 करोड़ रुपये बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर इंफोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप में 11,098.09 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई।

सोमवार से शुक्रवार के बीच हुए कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 44,933.62 करोड़ रुपये बढ़ कर 13,99,208.73 करोड़ रुपये के स्तर पर पर पहुंच गया। इसी तरह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 16,599.79 करोड़ रुपये उछल कर 6,88,623.68 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 9,063.31 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 13,04,121.56 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 5,140.15 करोड़ रुपये बढ़ कर 9,52,768.61 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईटीसी का मार्केट कैप 5,032.59 करोड़ रुपये उछल कर 5,12,828.63 करोड़ रुपये के स्तर पर, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 2,796.01 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,30,854.90 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारती एयरटेल का मार्केट कैप 2,651.48 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 9,87,005.92 करोड़ रुपये के स्तर पर और बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 1,868.94 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,54,715.12 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

दूसरी ओर इंफोसिस का मार्केट कैप 9,135.89 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 6,52,228.49 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 1,962.2 करोड़ रुपये फिसल कर 17,25,377.54 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 17,25,377.54 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 13,99,208.73 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 13,04,121.56 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 9,87,005.92 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 9,52,768.61 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 6,88,623.68 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,52,228.49 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,54,715.12 करोड़ रुपये), हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,30,854.90 करोड़ रुपये) और आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,12,828.63 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

एफपीआई का घरेलू शेयर बाजार में लौटा भरोसा, 6 दिन में किया 30,927 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। रुपये की मजबूती, मैक्रोइकोनॉमिक इंडिकेटर्स में सुधार और मार्केट के आकर्षक वैल्यूएशन के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की रुचि एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार में लौटती हुई नजर आ रही है। इस महीने के आखिरी छह कारोबारी दिनों के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने स्टॉक मार्केट में करीब 31 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया। एफपीआई द्वारा किया गया ये निवेश भारतीय बाजार में सुधार आने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। डिपॉजिटरी से मिली आंकड़ों के अनुसार मार्च के आखिरी 6 कारोबारी दिनों के दौरान एफपीआई द्वारा किए गए 30,927 करोड़ रुपये के निवेश के कारण उनके द्वारा मार्च के महीने में की गई कुल निकासी का आंकड़ा भी घटकर 3,973 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर से ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार में बिकवाली करके अपने पैसे की निकासी करने की वजह से स्टॉक मार्केट की स्थिति काफी कमजोर हो गई है। मार्च के पहले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने स्टॉक मार्केट से फरवरी महीने के दौरान 34,574 करोड़ रुपये की निकासी की थी, जबकि जनवरी में निकासी का ये आंकड़ा 78,027 करोड़ रुपये का था। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि मार्च के आखिरी दिनों में बाजार में आई तेजी के बावजूद घरेलू निवेशकों को फिलहाल सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की आगे की चाल 2 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रिसिप्रोकल टैरिफ को आखिरी रूप देने के बाद पता चल सकेगी। अगर डोनाल्ड ट्रंप की ओर से टैरिफ को लेकर कड़ाई नहीं की जाती है, तो स्टॉक मार्केट की रैली जारी रह सकती है, लेकिन अगर टैरिफ पॉलिसी भारत के हितों के विपरीत रही तो विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक एक बार फिर बिकवाल की भूमिका में आ सकते हैं। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि लगातार 5 महीने से अधिक समय तक स्टॉक मार्केट में बिकवाली के बाद मार्च के आखिरी दिनों में खरीदारी करने की रणनीति अपना कर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अपनी भूमिका में बदलाव करने का संकेत दिया है।

अदाणी ग्रुप की सीमेंट कंपनियों के सीईओ से लेकर एमडी तक बदले गए

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अदाणी ग्रुप की सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट्स ने विनोद बाहेती को नया सीईओ नियुक्त किया है और वर्तमान में पद पर मौजूद अजय कपूर को मैनेजिंग डायरेक्टर बनाया है।

अंबुजा सीमेंट्स के बोर्ड ने विनोद बाहेती को अतिरिक्त निदेशक और पूर्णकालिक निदेशक तथा कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में तीन साल के लिए नियुक्ति को मंजूरी दी है। कंपनी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। इसके अलावा देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट उत्पादक कंपनी अंबुजा सीमेंट्स ने राकेश तिवारी को कंपनी का मुख्य वित्तीय अधिकारी नियुक्त करने की भी घोषणा की है। साथ ही बोर्ड ने प्रवीण गर्ग को कंपनी के बोर्ड में गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक के रूप में तीन साल के लिए नियुक्त करने को भी मंजूरी दी। फाइलिंग में कहा गया कि ये सभी बदलाव 1 अप्रैल से प्रभावी होंगे। बता दें कि अदाणी ग्रुप का मुकाबला आदित्य बिरला ग्रुप की कंपनी अल्ट्राटेक के साथ होता है, जो सीमेंट क्षेत्र में बड़ी खिलाड़ी है।

इसका लक्ष्य वित्तीय वर्ष 28 तक 140 मिलियन टन प्रति वर्ष की उत्पादन क्षमता हासिल करना है। गौतम अदाणी के नेतृत्व वाला अदाणी ग्रुप सितंबर 2022 में स्विस कंपनी होल्सिम से अंबुजा सीमेंट को 6.4 बिलियन डॉलर (लगभग 51,000 करोड़ रुपये) के नकद सौदे में खरीदकर सीमेंट व्यवसाय में कदम रखा था। तब से, यह आदित्य बिरला ग्रुप की कंपनी को चुनौती देने के लिए अलग अलग छोटे प्लेयर्स को खरीद रहा है। इसमें पेन्ना इंडस्ट्रीज, सांघी इंडस्ट्रीज और हाल ही में घोषित सीके बिरला ग्रुप की कंपनी ओरिएंट सीमेंट प्रमुख हैं।

टेसला कार जलाने से नाराज मस्क डीओजीई को कर सकते हैं बाय-बाय

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

इन दिनों टेसला कार पूरी दुनिया में चर्चित हैं। लेकिन कई जगह इस कार को जलाकर लोग अरबपति एलन मस्क का विरोध कर रहे हैं। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टीम के सबसे चर्चित चेहरे एलन मस्क दक्षता विभाग के प्रमुख के रूप में लगातार चर्चा में बने रहते हैं। हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के लिए लोगों का निशाना बन रहे मस्क ने संकेत दिया है कि वह मई के अंत तक अपना काम खत्म करके इस भूमिका से हट सकते हैं।

डोजे के प्रमुख के रूप में एलन मस्क ने दावा किया है कि उन्होंने अमेरिकी प्रशासन की इतनी खामियों को उजागर करके सुधारने का काम किया है कि इससे अमेरिका को 1 ट्रिलियन डॉलर का फायदा होगा। आपको बता दें कि एलन मस्क का यह बयान ऐसे समय में आया है जब पूरे अमेरिका में उन पर हजारों लोगों को नौकरी से निकाल देने का आरोप लग रहा है। उनके खिलाफ उमड़ते इस गुस्से का सामना उनकी कंपनी की टेस्ला इलेक्ट्रिक कारों को करना पड़ रहा है। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप से लेकर प्रशासन के सभी लोगों ने टेस्ला का समर्थन किया है और उसके खिलाफ हमला करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की घोषणा की है लेकिन तब भी टेस्ला पर हमले जारी हैं।

एक इंटरव्यू में मस्क ने बताया कि वह लगातार अमेरिका की बैलेंस शीट को बेहतर बनाने के लिए काम कर रहे हैं और जल्दी ही अपने लक्ष्य की तरफ बढ़ रहे हैं। मस्क ने कहा कि अगर हम इसी रफ्तार से आगे बढ़ते रहे तो जल्दी ही आप देखेंगे कि अमेरिका का वार्षिक घाटा आधा हो जाएगा।

टेस्ला सीईओ ने कहा कि हमारी प्रतिदिन 4 बिलियन डॉलर के घाटे को कम करने के औसत को लेकर काम करती है। इस तरह से हम ज्यादातर काम 130 दिनों के भीतर पूरा कर लेंगे। मस्क ने अपने काम को लेकर कहा कि अगर हम यह नहीं करते तो जल्द ही अमेरिका दिवालिया होने की कगार पर आ जाता।

डोजे प्रमुख ने अपनी टीम के साथ मिलकर अपने प्रयासों को बारे में विस्तार से बात करते हुए कहा कि सरकार पर बहुत ज्यादा बोझ है, बजट का एक बहुत बड़ा हिस्सा अपव्यय और धोखाधड़ी की वजह से खर्च हो जाता है। हम उस धोखा धड़ी को खत्म करने का प्रयास कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि हम बिना किसी सरकारी सेवा को प्रभावित किए बिना 15 प्रतिशत की कटौती कर सकते हैं। मस्क ने 130 दिनों के भीतर अपने काम को खत्म करने की बात कही है। इसका मतलब यह है कि मई के अंत तक टेस्ला सीईओ डोजे प्रमुख की भूमिका में अपने काम को खत्म कर सकते हैं। उसके बाद डोजे का भविष्य क्या होगा इसके ऊपर सवालिया निशान लगा हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

इंदौर से सलमान खान को मिला हिंदू धर्म अपनाने का निमंत्रण

इंदौर । ये सारा विवाद सलमान खान के हाथ में बंधी घड़ी का है। इस घड़ी में अयोध्या राम मंदिर का चित्रण किया गया है, जिस पर सोशल मीडिया पर विभिन्न प्रतिक्रियाएं आ रही हैं।

इंदौर के महामंडलेश्वर राम गोपाल दास जी महाराज ने सलमान खान को हिंदू धर्म अपनाने का निमंत्रण दिया है। ईद के मौके पर फिल्म अभिनेता सलमान खान अपनी नई फिल्म 'सिकंदर' को लेकर चर्चा में है। उनकी फिल्म एक बार फिर उनके प्रशंसकों के लिए उत्साह लेकर आई है। फिल्म रिलीज के साथ ही सलमान खान एक बार फिर विवादों में घिरते नजर आ रहे हैं। ऐसा तो हो नहीं सकता कि चर्चा शुरू हो और विवाद न खड़ा हो। इस बार विवाद की वजह बनी है सलमान खान के हाथ में बंधी घड़ी। देशभर सलमान की घड़ी चर्चा का विषय बनी हुई है। इतना ही नहीं भोपाल से भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने भी इस पर कड़ी टिप्पणी की है। वहीं अब इस घड़ी की वजह से सलमान खान को हिंदू धर्म अपनाने का निमंत्रण भी मिल गया है। दरअसल अभिनेता सलमान खान हर बार उनकी कोई फिल्म की रिलीज के दौरान किसी न किसी कारण से सुर्खियों में आ जाते हैं। ताजा मामला उनके हाथ में बंधी अयोध्या से जुड़ी घड़ी को लेकर है। उनके हाथ पहनी गई घड़ी राम मंदिर का चित्रण करती है। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोग अपने अपने विचार लिख रहे हैं। इस बीच मध्य प्रदेश के इंदौर के महामंडलेश्वर श्री राम गोपाल दास जी महाराज ने सलमान को हिंदू धर्म अपनाने का निमंत्रण दिया है।

इंदौर के खुडैल क्षेत्र में ड्राइवर की बिल्डिंग से गिरने से मौत

इंदौर । इंदौर के खुड़ैल क्षेत्र में एक बिल्डिंग से गिरने से ड्राइवर की मौत हो गई। पुलिस इस घटना की जांच कर रही है, जिसमें यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह एक हादसा था या आत्महत्या। इंदौर के खुड़ैल क्षेत्र में एक दुखद घटना घटी, जिसमें एक ड्राइवर की बिल्डिंग से गिरकर मौत हो गई। यह हादसा उस वक्त हुआ जब सुनील दरबार नामक व्यक्ति को गंभीर हालत में एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान 35 वर्षीय सुनील दरबार के रूप में हुई है, जो नीलगिरी परिसर में रहता था। परिजनों के मुताबिक, सुनील ड्राइवर का काम करता था और शनिवार को अमावस्या के दिन वह घर पर ही था। वह कुछ देर के लिए बाहर जाने की बात कहकर घर से निकला लेकिन थोड़ी देर बाद परिवार को तेज आवाज सुनाई दी। जब वे बाहर झांके, तो देखा कि सुनील जमीन पर गिरा हुआ था। तत्काल परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वह बच नहीं सका।

गिफ्ट और प्रिंटिंग शॉप में भीषण आग, लाखों की मशीनें जलकर खाक

इंदौर । इंदौर के रणजीत हनुमान मंदिर के पीछे एक दुकान में रविवार रात करीब 2 बजे भीषण आग लग गई। ऊपर रहने वाले परिवार को धुआं निकलने की जानकारी मिलने पर वे नीचे आ गए और किरायेदार को सूचना दी, लेकिन तब तक आग विकराल हो चुकी थी। स्थानीय लोगों ने काफी देर तक आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। आरोप है कि फायर ब्रिगेड करीब ढाई घंटे की देरी से पहुंची, जिससे पूरा सामान जलकर राख हो गया। फायर ब्रिगेड के अनुसार, यह घटना गुमाश्ता नगर स्थित जय जिनेंद्र ग्राफिक्स और गिफ्ट सेंटर में हुई। सूचना मिलने के बाद दमकल की गाड़ियां पहुंचीं और 12,000 लीटर पानी डालकर आग पर काबू पाया। दुकान मालिक संतोष जैन उर्फ मामा ने बताया कि मकान मालिक ने उन्हें धुएं की जानकारी दी थी। शटर खोलते ही धुएं और आग की लपटों ने दुकान को चपेट में ले लिया।

पाली पुलिस ने गोदाम चोरी मामले में दो को गिरफ्तार किया

उमरिया । बिरसिंहपुर पाली थाना क्षेत्र के ग्राम मंगठार में स्थित कामता प्रसाद मिश्रा के गोदाम से नल-जल योजना के दो समर्सिबल पंप और अन्य सामग्री चोरी करने वालों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। बिरसिंहपुर पाली पुलिस ने थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मंगठार स्थित एक गोदाम से पंप और अन्य सामग्री चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस चोरी की घटना को लेकर पुलिस ने तत्परता से जांच शुरू की और आरोपियों तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की। घटना 22 मार्च की है, जब ग्राम मंगठार निवासी कामता प्रसाद पिता रमेश प्रसाद मिश्रा के गोदाम से अज्ञात चोरों ने नल जल योजना के तहत उपयोग किए जाने वाले दो फाल्कन समर्सिबल पंप, मोटर और अन्य सामग्री चोरी कर ली थी।

बाबा के दर्शन कर बोले आचार्य बालकृष्ण

सबके काल की गति और मति को ठीक करें महाकाल

उज्जैन ■ निसं

आचार्य बालकृष्ण ने नंदी हॉल में नंदी जी के कानों में अपनी मनोकामना प्रकट की। मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि आचार्य बालकृष्ण ने चांदी द्वार से दर्शन किए और मंदिर के पुजारी पंडित अर्पित गुरु के द्वारा अभिषेक और पूजन किया।

आज प्रदेश में आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था और मैं जब मध्य प्रदेश में आया तो बाबा महाकाल का आशीर्वाद लेने तो आना ही था। आज बाबा महाकाल के आनंददायी दर्शन हुए हैं। बाबा महाकाल काल के संचालक हैं। उनकी कृपा के बिना कुछ नहीं हो सकता। बाबा महाकाल सबके काल को सब की गति को और सबकी मति को ठीक करें, ऐसी ही कामना मैंने बाबा महाकाल से की है। यह बात आयुर्वेद शिरोमणि और पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार से आचार्य बालकृष्ण महाराज ने श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन कर कही।

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि पतंजलि योगपीठ आचार्य बालकृष्ण महाराज आज बाबा महाकाल के दर्शन करने के लिए धार्मिक नगरी उज्जैन आए थे। यहां उन्होंने चांदी द्वार से बाबा महाकाल के दर्शनों का लाभ लिया। इस दौरान मंदिर के पुजारी पंडित अर्पित गुरु के द्वारा बाबा महाकाल का पूजन अर्चन अभिषेक करवाया गया। बाबा महाकाल का पूजन करने के बाद आपने नंदी हॉल में पहुंचकर नंदी जी के कानों में अपनी मनोकामना भी कहीं।

आचार्य बालकृष्ण और पतंजलि की टीम ने हिमालय के गंगोत्री रेंज की तीन अनाम चोटियों का सफलतापूर्वक आरोहण कर उनका नामकरण भी किया। इनमें सबसे ऊंची चोटी का नाम राष्ट्रऋषि, दूसरी चोटी का नाम योगऋषि और तीसरी चोटी का नाम आयुर्वेद ऋषि रखा गया है। इन तीनों चोटियों के मध्य के क्षेत्र का नाम ऋषि ग्लेशियर (ऋषि बामक) रखा गया है।

यूएन में सम्मानित हुए थे आचार्य बालकृष्ण

आचार्य बालकृष्ण आयुर्वेद के आचार्य और योग गुरु बाबा रामदेव के सहयोगी हैं। वह आयुर्वेद केन्द्र पतंजलि योगपीठ के अध्यक्ष हैं। 2019 में आचार्य बालकृष्ण को यू ने सम्मानित किया था। उनको आयुर्वेद, योग के क्षेत्र में नए अनुसंधान को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान देने के लिए सम्मान मिला था। यूएसए की विश्वविख्यात स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी और यूरोपियन पब्लिशर्स एल्सेवियर की जारी विश्व के अग्रणी वैज्ञानिकों की सूची में पतंजलि के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण को शामिल किया गया है। इससे पूर्व भी यूएनओ की संस्था (यूएनएसडीजी) आचार्य बालकृष्ण को सम्मानित कर चुकी है।

यहां तीन रूप में विराजती हैं माता

बड़ी देवी में भक्तों ने चढ़ाई 15 किलो चांदी और पांच तोला सोना

मां बड़ी देवी के दरबार में मौजूद श्रद्धालु।

दमोह ■ निसं

दमोह शहर के फुटेरा तालाब किनारे माता बड़ी देवी का दरबार है। यहां पर मातारानी 100 फीट ऊंचे भव्य मंदिर में विराजमान हैं। मां बड़ी देवी अपने भक्तों की सभी मनोकामना पूर्ण करती हैं। पिछले तीन वर्ष के दौरान माता रानी के दरबार में श्रद्धालुओं ने 15 किलो चांदी और पांच तोला सोना दान दिया है। यह प्रतिमा 300 साल पुरानी है, जो हजारी परिवार की कुल देवी हैं। नवरात्र में दूर-दूर से श्रद्धालु माता रानी के दर्शनों के लिए आते हैं। यहां पर सुबह चार बजे से भक्तों की कतारें शुरू हो जाती हैं, जो दोपहर तक लगी रहती हैं। सायंकालीन महाआरती के दौरान भी हजारों भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। माता का दरबार भक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र है इसलिए लोग अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं और जब मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं तो मातारानी को सोने-चांदी के जेवरात भेंट करते हैं।

तीन रूपों में विराजमान हैं मां दुर्गा

मंदिर के पुजारी आशीष दत्त कटारे ने बताया कि मुख्य मंदिर में विराजमान माता रानी के तीन रूपों में दर्शन होते हैं। बीच में महालक्ष्मी विराजमान हैं। जो बड़ी देवी के रूप में हैं। वहीं दायीं ओर महाकाली एवं बायीं ओर मां सरस्वती विराजमान हैं। मां का चेहरा शांत मुद्रा में है। जो भी परेशान व्यक्ति या मन में क्रोध लेकर यहां पर आता है, कुछ देर बैठने के बाद खुद को शांत पाता है। यहां पर प्राचीन श्रीगणेश जी, संतोषी माता, शारदा माता, शंकर जी सहित अन्य देवियां विराजमान हैं। नवरात्र में नौ दिवसीय अखंड संकीर्तन होता है। साथ ही परिसर में नौ दिवसीय विशाल मेला भी लगता है। ऐसा बताया जाता है कि जो भी लोग यहां आकर मनौती करते हैं वह पूरी होती है। यही वजह है कि यहां पर हर साल भक्तजन सोने-चांदी के आभूषण मातारानी को भेंट करते हैं।

ग्वालियर में 70 ईदगाह-मस्जिदों से विशेष नमाज

लोगों ने गले मिलकर दी मुबारकबाद, शहर में पुलिस फोर्स भी तैनात

ग्वालियर ■ निसं

सोमवार को ईद उल फितर मनाई जा रही है। सुबह 7.30 बजे से 9.15 बजे तक ग्वालियर की 70 मस्जिद, ईदगाहों पर एक साथ ईद की विशेष नमाज अदा की गई। नमाज के बाद मस्जिद से बाहर आए युवाओं, बुजुर्ग और बच्चों ने एक दूसरे के गले लगकर ईद उल फितर की मुबारकबाद दी।

इस विशेष मौके पर शहर काजी ने लोगों से अपील की है कि ईदगाहों और मस्जिदों में ईद उल फितर की नमाज अदा करें और पूरी खुशी और उल्लास के साथ त्योहार मनाए। ग्वालियर शहर में हर तरफ खुशी का माहौल है। ईद के मौके पर कोई अप्रिय घटना न घटे इसके लिए पुलिस फोर्स भी तैनात रहा है।

रूयते हिलाल कमेटी के सदर शहर काजी अब्दुल अजीज कादरी ने बताया कि आज ईद का पर्व मनाया जा रहा है। शहर की सबसे बड़ी मस्जिद फूलबाग की मोती मस्जिद में सोमवार सुबह 9 बजे ईद उल फितर की विशेष नमाज पढ़ी गई है। इसके बाद बाहर निकलकर बच्चों और बड़ों ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की ईद पर बाजारों में रौनक

मीठी ईद की खुशी बाजारों में भी देखने को मिल रही है। ईद से पहले शहर के बाजार फेनी, सेवइयां से सजे हुए हैं। बाजारों मुस्लिम समुदाय के लोग कपड़े, गहने खरीद रहे हैं। हर तरह खुशी और उल्लास का माहौल है। लोग खरीदारी कर रहे हैं, जिससे बाजार में व्यवसायी भी खुश हैं।

क्षिप्रा नदी के तट पर अद्भुत रहा ड्रोन शो

भोपाल । हिंदू नववर्ष के शुभ अवसर पर उज्जैन में क्षिप्रा नदी के तट पर आयोजित ड्रोन शो में सनातन संस्कृति की सजीव हो उठी भव्यता की अनुभूति अद्भुत रही। सीएम ने एक्स पर कहा कि आकाश में उड़ते ड्रोनों की अनूठी प्रस्तुति ने आस्था, परंपरा और आधुनिकता का अनुपम संगम रचाया, जिसने श्रद्धालुओं के हृदय में गर्व और भक्ति का नव संचार किया।

सलकनपुर में दर्शन के लिए देशभर से पहुंच रहे श्रद्धालु

1 हजार फीट ऊंचाई पर स्थित है शक्तिपीठ, प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए

सीहोर ■ निसं

सीहोर के सलकनपुर में स्थित मां विजयासन देवी मंदिर में नवरात्रि के दूसरे दिन भी श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। प्रशासन ने भक्तों की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। मां विजयासन देवी का मंदिर विंध्य पर्वत पर एक हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित है। ये देश के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, मां विजयासन देवी मां पार्वती का अवतार हैं। देवताओं के आग्रह पर उन्होंने रक्तबीज राक्षस का वध कर सृष्टि की रक्षा की थी। इसी विजय के बाद

देवताओं द्वारा दिया गया आसन विजयासन धाम के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

भोपाल से 75 किलोमीटर दूर स्थित इस मंदिर तक पहुंचने के लिए रोपवे, सड़क मार्ग और सीढ़ियों का विकल्प है। मंदिर तक पहुंचने के लिए करीब 1 हजार 400 सीढ़ियां हैं। हर रोज देशभर से हजारों श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए आते हैं। विशेषकर नवरात्रि में यहां विशाल मेला लगता है और चैत्र नवरात्रि के दौरान लाखों भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं। जिला प्रशासन के अनुसार मंदिर की स्थापना की एक रोचक कथा है। करीब 300 साल पहले एक बंजारा अपने पशुओं के साथ यहां रुका था। उसके सभी पशु अचानक गायब हो गए। एक बालिका के कहने पर उसने वहां पूजा-अर्चना की और उसके सभी पशु वापस मिल गए। इसके बाद बंजारों ने वहां मंदिर का निर्माण किया।

आठवीं कक्षा में फेल होने पर बालक ने लगाई फांसी, एक दिन पहले ही आया था रिजल्ट

जबलपुर ■ निसं

जबलपुर में आठवीं के छात्र ने फांसी लगा ली। वह फेल होने से तनाव में था। एक दिन पहले ही रिजल्ट आया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। माढ़ोताल थाना क्षेत्र के भोला नगर में 13 वर्षीय बालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आठवीं कक्षा में अध्ययनरत यह छात्र हाल ही में घोषित परीक्षा परिणाम में असफल हो गया था, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान था। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

माढ़ोताल डीएसपी बी.एस. गठौरिया के अनुसार, अंश उर्फ अंशु चौधरी (13 वर्ष) भोला नगर में अपने माता-पिता और बड़े भाई के साथ रहता था। उसके पिता दर्जी का काम करते हैं, जबकि उसकी मां एक गृहिणी हैं। बड़ा भाई आर्यन चौधरी (19 वर्ष) बीए द्वितीय वर्ष का छात्र है। शनिवार को बालक

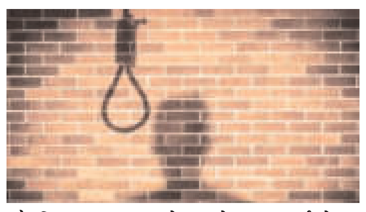

के पिता काम पर चले गए थे, बड़ा भाई दोस्त के घर गया था और माँ किसी कार्य से बाहर गई थीं। घर में अकेले होने पर अंशु ने किचन में लगी लोहे की पाइप (बड़ेरी) में चुन्नी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली।

बड़ा भाई लौटा, तो मिला शव: शाम करीब पांच बजे बड़ा भाई आर्यन जब घर लौटा, तो उसने दरवाजा खटखटाया। लेकिन छोटे भाई ने दरवाजा नहीं खोला। संदेह होने पर उसने दीवार फाँदकर घर के अंदर प्रवेश किया और कमरे का दरवाजा खोला। किचन में जाकर देखा, तो अंशु का शव फंदे पर झूल रहा था।

सीहोर में कैदियों को मिलेगा रोजगार का मौका

सीहोर । सीहोर जेल में बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष सतीश चंद्र शर्मा के निर्देश पर ये कार्यक्रम चल रहा है। बैंक ऑफ इंडिया लीड बैंक और ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के सहयोग से ये पहल शुरू की गई है। जिला विधिक प्राधिकरण की सचिव स्वप्नश्री सिंह के अनुसार, चयनित बंदियों को 10 दिन का व्यवसायिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस दौरान वे अगरबत्ती, साबुन, सर्फ और फिनाइल बनाना सीख रहे हैं। प्राधिकरण का लक्ष्य है कि बंदी जेल से बाहर आने के बाद स्वरोजगार कर सकें। इससे वे आर्थिक रूप से मजबूत होंगे और उनके दोबारा अपराध की ओर जाने की संभावना कम होगी।

यह दवा अमूल्य है

खूनी बवासीर के मरीजों के लिये आवश्यक सूचना

1. क्या आप खूनी बवासीर से पीड़ित है।
2. डाक्टरों, हकीमों और वैद्यों का ईलाज करा-करा कर थक गये हैं।
3. निरंतर खून आने से शरीर अत्यंत दुर्बल और कमजोर हो जाता है।

तो आइये मात्र 6 पुड़िया आपके जीवन को चिंताओं से मुक्त कर सकती है और आप फिर से पूर्ण मस्ती के साथ जीवन व्यतीत करने के लिये सक्षम हो सकते हैं।
तो आज ही हमारे निम्न पते पर आये और निःशुल्क दवा प्राप्त करें।

दैनिकअमृत दर्शन

6, पत्रकार नगर कोलार रोड, भोपाल-462003, मो. 9827054436

अनजान फोटो पर क्लिक किया, अकांउट से कटे 2 लाख

पीड़ित बोला- वॉट्सऐप पर फोटो आई थी, पूछा- क्या आप इस व्यक्ति को जानते हैं?

जबलपुर ■ निसं

जबलपुर में एक शख्स के वॉट्सऐप पर अनजान नंबर से एक फोटो भेजी गई, जिसे क्लिक करते ही मोबाइल अपने आप हैक हो गया। कुछ ही देर में बैंक खाते से 2 लाख 1 हजार रुपए निकल गए।

ठगों ने फोटो में छिपी लिंक के जरिए फोन पर एक ऐप डाउनलोड करवा दिया, जिससे ओटीपी और बैंक डिटेल्स सीधे उनके पास पहुंच गईं। पीड़ित ने इस घटना की शिकायत साइबर सेल और कोतवाली थाना पुलिस से की।

कोतवाली क्षेत्र में रहने वाले प्रदीप जैन 28 तारीख को अपने घर पर थे। सुबह करीब 9 बजे उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर

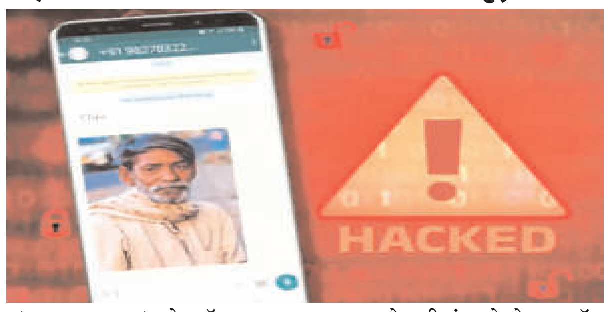

(9827832213) से कॉल आया। कॉल करने वाले ने उनके वॉट्सऐप पर एक फोटो भेजी और पूछा, क्या आप इस व्यक्ति को जानते हैं? फोटो एक बुजुर्ग की थी।

प्रदीप ने पहले मैसेज और कॉल को अनदेखा कर दिया। लेकिन कुछ देर बाद फिर से वही कॉल आया और वही सवाल पूछा गया। दोपहर करीब 1:35 बजे उसी नंबर से दोबारा कॉल आया। इस बार प्रदीप जैन ने गुस्से में जवाब दिया, मैं इस व्यक्ति को नहीं जानता! और फोन काट दिया।

ऐप के डाउनलोड होते ही मोबाइल हुआ हैक: इस घटना के कुछ देर बाद, प्रदीप जैन के मोबाइल पर अपने आप एक कस्टमर सपोर्ट नामक ऐप डाउनलोड हो गया। इसी दौरान साइबर ठग ने उनका मोबाइल हैक कर लिया। दोपहर में उनके मोबाइल पर केनरा बैंक से मैसेज अलर्ट आया। पहले 1 रुपए उनके खाते में क्रेडिट किए गए। फिर कुछ ही मिनटों में 1 लाख रुपए और फिर 1 लाख 1 हजार रुपए उनके खाते से डेबिट हो गए।

प्रदीप जैन को कुछ समझ नहीं आया कि यह सब कैसे हो रहा है। वे तुरंत बैंक पहुंचे और बैलेंस चेक किया, तो उनके खाते से 2 लाख 1 हजार रुपए निकल चुके थे। उन्होंने तुरंत खाते को सीज करवाया और साइबर थाने में शिकायत दर्ज करवाई।

हैदराबाद के एटीएम से निकाले गए रुपए

बैंक स्टेटमेंट की जांच में सामने आया कि यह ट्रांजैक्शन IB IBF नाम के अकाउंट के जरिए हुआ था। यह खाता केनरा बैंक, हैदराबाद में हाल ही में बनाया गया था। ठगों ने एटीएम के माध्यम से सारा पैसा निकाल लिया। प्रदीप जैन की पासबुक में विशाल ऑनलाइन और जन्नतुन बीबी ऑनलाइन नाम से संदिग्ध लेन-देन दिखाई दिए। साइबर ठगों ने सुबह 9:38 बजे से लेकर शाम 5:12 बजे तक लगातार वॉट्सऐप पर डॉट (.) मैसेज भेजकर यह जांच की कि वे ऑनलाइन हैं या नहीं।

मां वैष्णो धाम आदर्श नौ दुर्गा मंदिर प्लेटिनम प्लाजा द्वितीय दिवस मां ब्रह्मचारिणी स्वरूप दर्शन के लिए लगी भक्तों की भीड़।

नवरात्रि के अवसर पर कर्फ़्यू वाली माता के मंदिर पर माता रानी को जल चढ़ाने एवं दर्शन करने के लिए भक्तों की भीड़ लगी है जहां पूजन पाठ का सिलसिला लगातार जारी है।

चैत्र नवरात्र का आज दूसरा दिन: देवी ब्रह्मचारिणी की पूजा के लिए मंदिरों में लगा श्रद्धालुओं का तांता

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी के मंदिरों में श्रद्धालुओं की आपर भीड़ लगी है। मां दुर्गा की पूजा के लिए सुबह से ही भक्त कतर वद्ध हो गए। सोमवारा चौक स्थित कर्फ्यू वाली माता, छोटे तालाब स्थित काली मंदिर, कंकाली मंदिर सहित शहर भर के सभी मंदिरों में भक्तों का सैलाब उमड़ चुका है। चैत्र नवरात्र का दूसरा दिन मां दुर्गा के द्वितीय स्वरूप देवी ब्रह्मचारिणी की पूजा के लिए समर्पित है। मां ब्रह्मचारिणी अपने भक्तों को तप, त्याग और वैराग्य का मार्ग दिखाती हैं। देवी सफेद वस्त्र धारण करती हैं। दाएं हाथ में जप माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए मां ब्रह्मचारिणी शांत और सरल स्वरूप में विराजमान हैं।

मां ब्रह्मचारिणी की पूजन विधि: सुबह स्नानादि से निवृत्त होकर साफ वस्त्र धारण करें। पूजा स्थल को गंगाजल से शुद्ध करें। इसके बाद एक वेदी पर मां ब्रह्मचारिणी की प्रतिमा स्थापित करें। उन्हें सफेद वस्त्र अर्पित करें और फूलों से सजाएं। हाथ में जल, अक्षत और पुष्प लेकर मां ब्रह्मचारिणी की पूजा का संकल्प लें। मां ब्रह्मचारिणी का ध्यान करते हुए उनका आह्वान करें।

मां ब्रह्मचारिणी की पूजा का धार्मिक महत्व

मां ब्रह्मचारिणी की आराधना करने से भक्तों को मानसिक शांति और एकाग्रता मिलती है। साथ ही संयम और शक्ति की प्राप्ति होती है। विद्यार्थियों के लिए मां ब्रह्मचारिणी की पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है। इसलिए आज चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन पूरी श्रद्धा और भक्ति भाव से मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करें और उनकी कृपा प्राप्त करें।

ईद उल फितर के त्यौहार के अवसर पर मुस्लिम समाज के लोगों का इकबाल मैदान के पास मोती मस्जिद पर ईद की नमाज अदा करते हुए

भोपाल में ईद उल फितर पर नमाज अदा कर अमन-चैन, खुशहाली की मांगी दुआ

भोपाल में आज ईद-उल-फितर का त्यौहार मनाया जा रहा है। सुबह से ही लोग नमाज पढ़ने ईदगाह और मस्जिदों में पहुंचे। भोपाल की ताज उल मस्जिद, जामा मस्जिद और मोती मस्जिद सहित अन्य मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा कर प्रदेश में अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी।

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी भोपाल में आज ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जा रहा है। सुबह से ही लोग नमाज पढ़ने ईदगाह और मस्जिदों में पहुंचे। भोपाल की ताज उल मस्जिद, जामा मस्जिद और मोती मस्जिद सहित अन्य मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा कर प्रदेश में अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। भोपाल में ईदगाह पर होने वाली मुख्य नमाज सुबह 7:30 बजे अदा की गई। हर साल की तरह इस बार भी नमाज की सूचना तोप से गोले दागकर दी गई। नमाज ए खास से पहले शहर काजी मुश्ताक अली नदवी ने तकरीर में नौजवानों से कहा कि कैरेक्टर और क्वालिटी पैदा करो। नशे से दूरी रखो, हलाल कमाई पर ध्यान दो। हलाल और हराम में फर्क करना सीखो। शहर काजी ने कहा कि अपने रोजमर्रा के खर्चों को कम करो लेकिन बच्चों की अच्छी तालीम पर खास ध्यान दो।

काली पट्टी बांधकर वक्फ अमेंडमेंट बिल का विरोध

राजधानी भोपाल के ईदगाह और अन्य मस्जिदों में नमाज पढ़ने पहुंचे मुस्लिम धर्मावलंबी बांह पर काली पट्टी बांधकर पहुंचे। वे वक्फ अमेंडमेंट बिल का विरोध कर रहे हैं। दरअसल ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने मुस्लिम समुदाय से काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण और मौन विरोध प्रदर्शन की अपील की थी। बोर्ड ने कहा था कि अगर ये बिल पारित हो गया तो मस्जिद, दरगाह, मदरसे, कब्रिस्तान और कई अन्य संस्थान उनके हाथ से चले जाएंगे।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अलर्ट पर

ईद के त्योहार के साथ शहर में नवरात्रि का त्योहार भी धूमधाम से मनाया जा रहा है। दोनों त्योहार एक साथ होने से पुलिस भी अलर्ट मोड में आ गई है। हालांकि भोपाल शहर अपनी गंगा-जमुनी तहजीब के लिए जाना जाता है। यहां एक-दूसरे धर्म के त्योहार पर सांस्कृतिक एकता की मिसाल पेश होती आई है। होली के त्योहार पर भी सभी धर्मों में एकता दिखाई दी थी। हालांकि पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। भोपाल पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी के मुताबिक भोपाल में 1500 से ज्यादा जवानों को तैनात किया गया है। शहर की सभी बड़ी मस्जिदों के आसपास पुलिस व्यवस्था, पार्किंग आदि की व्यवस्था की गई है।

उज्जैन। सुप्रसिद्ध अभिनेता गोविंदा श्री महाकालेश्वर भगवान की भस्मार्ती में सम्मिलित हुई। आरती उपरांत गोविंदा ने श्री महाकालेश्वर भगवान की पूजा - अर्चन की।

ईद पर फिलिस्तीन के समर्थन में दिखे बैनर, मस्जिद के बाहर युवाओं ने पढ़ी दुआ

भोपाल ■ अमृत दर्शन

ईद-उल-फितर का पवित्र त्योहार सोमवार को देशभर में हर्षोउल्लास के साथ मनाया जा रहा है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भी यह त्योहार खास धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर ईदगाह, जामा मस्जिद और मोती मस्जिद सहित अन्य मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गई और देश में अमन-चैन एवं खुशहाली की दुआ की गई। वहीं इस दौरान मस्जिद के बाहर फिलिस्तीन के समर्थन में बैनर भी दिखाई दिए।

फिलिस्तीन के समर्थन में दिखे बैनर

भोपाल के ईदगाह के बाहर कुछ युवा फलस्तीन के समर्थन में बैनर लेकर खड़े नजर आए। इन युवाओं ने अपना समर्थन और एकजुटता जताने के लिए प्रदर्शन किया। नमाज के बाद, फलस्तीन के लोगों के लिए भी दुआ की गई। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। हालांकि इस वायरल वीडियो की लल्लूराम डॉट कॉम पुष्टि नहीं करता है।

म्यूजिक एप का सब्सक्रिप्शन बंद कराने में रिटायर्ड अधिकारी से ठगी खाते से निकले 1.65 लाख रु

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी भोपाल में रहने वाले भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के एक रिटायर्ड अधिकारी के बैंक खातों से एक लाख 65 हजार रुपये निकाल लिए गए हैं। ठगी का अहसास होने के बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत की और महीने भर की जांच के बाद प्रकरण दर्ज हो सका। जालसाज ने जिस मोबाइल नंबर से बात करके बैंक खाते से रकम ट्रांसफर की है, वह मोबाइल नंबर पश्चिम बंगाल में सक्रिय है। कमला नगर पुलिस के अनुसार विजय कुमार फरगे भेल के रिटायर्ड अधिकारी हैं और संजय काम्पलेक्स में रहते हैं। कुछ माह पहले उन्होंने अनजाने में अपने मोबाइल में एक म्यूजिक एप का सब्सक्रिप्शन कर लिया, जिस कारण उनके बैंक खाते से हर माह निश्चित राशि कट रही थी। महीने भर पहले वे बैंक पहुंचे और जानकारी ली तो बैंक के अधिकारियों ने बताया कि म्यूजिक एप का प्रतिहमाह चार्ज बैंक से अपने आप डिडक्ट हो रहा है।

म्यूजिक ऐप बंद कराने पर ठगी का हुए शिकार

फरियादी ने पुलिस को बताया कि वे म्यूजिक एप का सब्सक्रिप्शन बंद कराने के लिए मोबाइल में इंस्टाल एप में ऑप्शन तलाश किया, लेकिन नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने गूगल से उक्त ऐप को बंद कराने एक नंबर तलाश किया, जो पश्चिम बंगाल से संचालित था और जालसाज का था। उक्त जालसाज ने म्यूजिक एप बंद करने का झांसा देकर फरियादी के मोबाइल में एपीके फाइल डाउनलोड करा दी और उनके मोबाइल का पूरा एक्सेस प्राप्त कर लिया। इसके बाद जालसाज ने फरियादी फरगे के खाते से 88 हजार और उनकी पत्नी के बैंक खाते से 77 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए थे।

भोपाल के अवधपुरी में शराब दुकान खुलने का विरोध

50 मीटर दूर मंदिर-स्कूल; मंत्री गौर से मिले रहवासी, अब रामायण का पाठ करेंगे

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल में शराब दुकानों की शिफ्टिंग का मामला तूल पकड़ रहा है। अब अवधपुरी में ऋषिपुरम तिराहे पर शराब दुकान खुलने का विरोध शुरू हो गया है। रविवार रात में लोगों ने रैली-धरना देकर प्रदर्शन किया, जबकि सोमवार को सद्बुद्धि के लिए रामायण का पाठ भी किया जाएगा।

प्रदर्शन में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। रहवासियों का कहना है, जिस जगह दुकान खुल रही है, उससे 50 मीटर के दायरे में ही मंदिर, स्कूल, अस्पताल और बस स्टॉप भी है। बावजूद यहां शराब दुकान खोली जा रही है। इसे लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। रात में धरना प्रदर्शन करने के बाद सोमवार को मंत्री कृष्णा गौर से भी मिलने पहुंचे। प्रदर्शन कर रहे रमण तिवारी ने बताया, अब रामायण का पाठ करेंगे। ताकि, दुकान खोलने वालों को सद्बुद्धि मिले और वह दुकान को अन्य कहीं शिफ्ट कर लें। सुबह कई लोग प्रदर्शन में शामिल होने के लिए ऋषिपुरम तिराहे पर पहुंचे।

महापौर से मिलने पहुंचीं महिलाएं

वार्ड नंबर-34 स्थित मालवीय नगर में नई शराब दुकान खुल रही है। इसके पास ही विधायक रेस्ट हाउस, बिड़ला मंदिर भी है। वहीं, घना रहवासी इलाका भी है। इसके चलते लोग विरोध कर रहे हैं। पार्षद पप्पू विलास घाड़गे को ज्ञापन सौंपने के बाद शनिवार को कई महिलाएं सड़क पर उतर आई थी। काले झंडे लेकर उन्होंने दुकान के सामने प्रदर्शन भी किया था। वहीं, सोमवार को वे महापौर मालती राय से भी मिलने पहुंचीं और दुकान न खोले जाने की मांग की।

मुरैना गजक वालों पर किया 10 हजार रू. का जुर्माना

भोपाल। भोपाल नगर निगम द्वारा स्वच्छता के क्षेत्र में निरंतर नवाचार किए जा रहे हैं, ताकि भोपाल को स्वच्छता में नंबर 1 बनाया जा सके। निगम द्वारा शहर के मुख्य मार्गों, साइड वर्ज और ग्रीन एरिया में साफ-सफाई का ध्यान रखा जा रहा है और आकर्षक पेंटिंग व चित्रकारी की जा रही है। इसके अलावा, निगम शहर के सौंदर्य को बिगाड़ने और स्वच्छता में बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही भी कर रहा है। इसी कड़ी में, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी ने चंदनपुरा वन क्षेत्र में कलियासोत नदी के 13 गेट के पास फेंके गए सूखे कचरे से मुरैना गजक वालों की दुकान का पता ढूंढ निकाला। दुकान पर कचरा फेंकने वाले दुकानदार पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही, उसे भविष्य में इस तरह की पुनरावृत्ति न करने की सख्त चेतावनी भी दी गई। भोपाल नगर निगम द्वारा स्वच्छता और सौंदर्य में सुधार के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं, और खुले स्थानों पर गंदगी या मेडिकल वेस्ट फेंकने वालों के खिलाफ जुर्माना और सख्त कार्रवाई की जा रही है।

कर्मचारी कर रहे विरोध

कल से सरकारी अस्पतालों में सार्थक एप पर अटेंडेंस लगाना अनिवार्य

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी भोपाल जिले में एक अप्रैल से सभी सरकारी अस्पतालों में सार्थक एप पर ऑनलाइन अटेंडेंस के आधार पर कर्मचारियों का वेतन तैयार किया जाएगा। मध्य प्रदेश का भोपाल पहला जिला होगा जहां स्वास्थ्य विभाग अपने सभी अस्पतालों और कार्यालयों में कागज रहित उपस्थिति दर्ज करवाएगा। जिला प्रशासन ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। अप्रैल के पहले दिन से सार्थक एप पर अटेंडेंस लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। पर्यावरण की सुरक्षा और कागजों की बचत करने यह व्यवस्था बनाई गई है। इधर कर्मचारी इसका विरोध कर रहे हैं। कर्मचारी संगठनों का कहना है क इससे सिर्फ कर्मचारियों को परेशान करने का रास्ता निकाला गया है।

समस्त स्वास्थ्य कर्मचारी अधिकारी संघ के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह कौरव ने कहा है कि इस ऐप के माध्यम से कर्मचारियों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने ने कहा कि यह व्यावस्था केलव भोपाल जिलें में ही क्यों लागू की जा रही है। उन्होंने कहा है कि किसी भी जिले में सार्थक एप शुरू नही हुआ है लेकिन भोपाल में निरंतर दबाव बनाया जा रहा है। जिससे कर्मचारी स्वयं को डरा हुआ समझ रहे हैं, क्योंकि सार्थक एप लिए कोई संसाधन स्थाई नहीं है। कौरव ने बताया कि इसे लेकर स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल को ज्ञापन दिया गया है।

गौरतलब है कि जिला प्रशासन ने भोपाल के सभी अस्पतालों में सार्थक एप से उपस्थिति अनिवार्य की थी। इसके बाद कर्मचारी विरोध में खड़े हो गए थे। फिर दो माह पूर्व सीएमएचओ ने फिर आदेश जारी किया तब भी कर्मचारियों ने इसका विरोध किया था। नतीजतन कलेक्टर ने ऑनलाइन उपस्थिति के फायदे गिनाते हुए फिर यह आदेश जारी किया है। प्रशासन का मानना है कि यह व्यवस्था मरीजों का हित और कागजों पर होने वाले शासन के खर्च की बचत होगी।

पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ावा देना उद्देश्य

अधिकारियों का कहना है कि कागज के उपयोग को कम कर पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ावा दिया जा सके, इसी उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत भोपाल के अस्पतालों और कार्यालयों में कागज आधारित उपस्थिति के स्थान पर सार्थक एप के माध्यम से अटेंडेंस मान्य की जाएगी। जिससे मैदानी कर्मचारियों और अधिकारियों को उपस्थिति दर्ज कराने हेतु मुख्यालय आने की आवश्यकता नहीं होगी। वे अपने कार्य स्थल से सीधे अपनी उपस्थिति दर्ज करवा सकेंगे।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।